लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान

(स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं लोहिया स्वच्छता योजना)

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, ग्रामीण विकास विभाग

बिहार सरकार

विद्युत भवन–2, प्रथम तल, बेली रोड, पटना–800 021, दूरभाष : +91–612–250 4980, फैक्स : +91–612–250 4960, वेबसाइट : www.lsba.bih.nic.in

Ref. No.: BRLPS/LSBA-Estt/07/16/151 **Date:** ~~12.07.2017~~ 13.07.2017

From,

Rajiv Kumar Singh. B.A.S,
Administrative Officer-cum-State Coordinator,
Lohiya Swachh Bharat Abhiyan.

To,

All District Magistrate-Cum-Chairman,
District Water and Sanitation Committee,
Bihar.

Sub: **IEC material.**

In order to expedite the progress of Lohiya Swachh Bihar Abhiyan and achieve ODF status innovative methodology has to be utilised for mobilising the communities to completely eliminate open defecation (OD).

For the same reason, LSBA state team is sharing Sanitation dedicated flipcharts where the message and information are encoded through pictorial representations and can be lucidly used by various stakeholders who are implementing the Mission at the grassroot level. These materials will aid in IEC activity, help in answering Sanitation related FAQs and will also be used for motivating the community.

In this regard, it is requested to kindly share printed copies/photocopies of these flipcharts with the Block Coordinators, Master Trainers(1/GP) and Swachhagrahis(4/GP) who would use this tool to sensitise the community and beneficiaries on Sanitation and related aspects.

The expenses of the flipchart can be charged from the IEC budget of the SBM (G), at the approved rates of the District/DWSC.

Yours faithfully

13/7/12

(Rajiv Kumar Singh)

Encl : As Above

Copy to: All District Coordinators are instructed to share the printed copies with the Block Coordinators, Master Trainers, Swachhagrahis.

Copy to: All DDCs-Cum-Vice chairman/ Director DRDA-Cum-Secretary for necessary information and action.

Copy to: Secretary, Rural Development Department, Bihar, Patna, for information.

Copy to: Development Commissioner, Government of Bihar, Patna, for information.

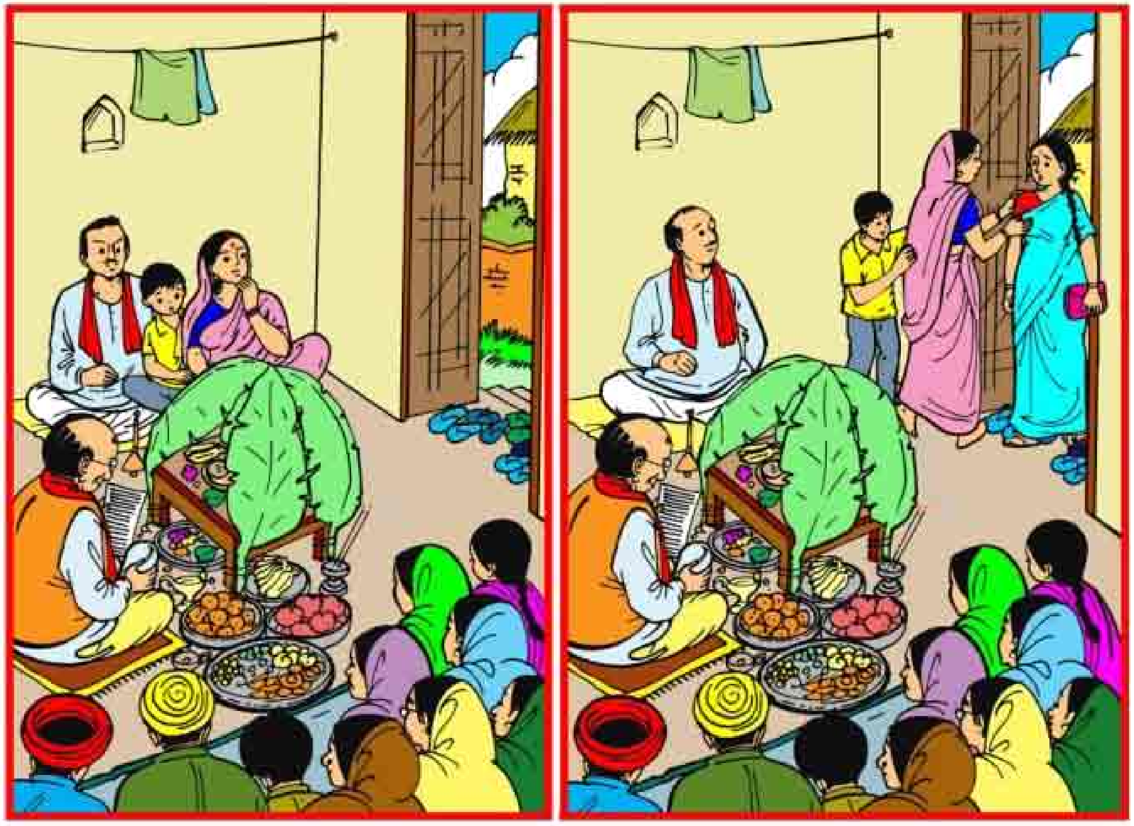

अब बात बजट में फिट-1

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तर: नारायण जी अपने घर में सत्यनारायण भगवान की पूजा करवा रहे हैं और वह चाहते हैं कि उनकी बेटी और दामाद इस पूजा में शामिल हों। इसलिये वह उनको पूजा में शामिल होने का निमत्रंण दिये हैं। नारायण जी अपने नाती-नातिनी से बहुत प्यार करते हैं और चाहते हैं कि उनकी बेटी अपने पति एवं बच्चों के साथ यहाँ आये और कुछ समय उनके साथ बिताये।

प्रश्नः क्या नारायण जी कि बेटी एवं दामाद अपने बच्चों के साथ पूजा में शामिल होने आती है?

उत्तर: हर बार की तरह इस बार भी बेटी अकेले ही आयी है, वह अपने बच्चों को भी साथ नही लायी है।

अब बात बजट में फिट-2

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः पूजा खत्म होते ही प्रसाद लेकर उनकी बेटी अपने घर को वापस लौट रही है, यह देखकर उसकी माँ काफी चिंतित है तथा लौटने का कारण अलका को बताती है।

प्रश्नः उसकी माँ अलका को क्या बताती है?

उत्तरः उसकी माँ अलका को बताती है कि घर में शौचालय न रहने की वजह से ही बच्चे एवं दामाद जी ससुराल में रूकना पसंद नही करते हैं।

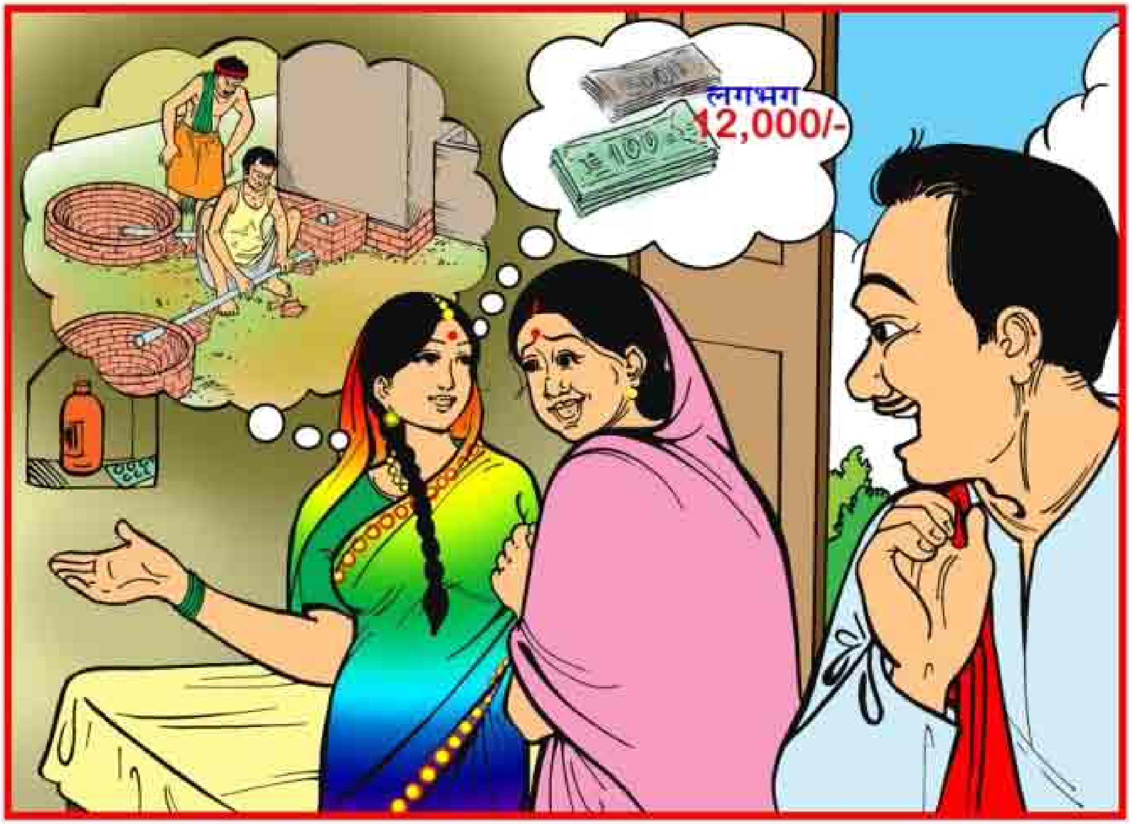

अब बात बजट में फिट-3

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में अलका, चाचा जी एवं चाची जी को उनकी परेशानी का समाधान बताते हुए दिखाया गया है।

प्रश्नः चाचा एवं चाची जी की परेशानी का मूल कारण क्या था?

उत्तरः चाचाजी ने सुन रखा था कि शौचालय बनवाने का खर्च कम-से-कम 60,000 से 70,000/- रूपए तक आता है। इसलिए घर में जगह रहते हुये भी शौचालय निर्माण का कार्य शुरू करने में परेशानी महसूस हो रही थी।

प्रश्नः अलका ने ऐसा क्या उपाय बताया, जिससे चाचाजी जी परेशानी दूर हुई?

उत्तरः

- अलका ने बताया कि कुछ दिनों पहले हमारे घर में भी यही समस्या थी, लेकिन जब से दो गड्ढों वाला शौचालय बनवाया है, आराम-ही-आराम है। दो गड्ढों वाले शौचालय का इस्तेमाल एवं रख-रखाव भी आसान है।
- इसे बनाने में भी ज्यादा खर्च भी नहीं लगता है। आजकल तो 12 हजार में बढ़िया शौचालय बन जाता है। इससे ज्यादा खर्च तो लोग अपने मोबाइल, टी.बी. और मोटरसाइकिल खरीदने में खर्च कर देते हैं।

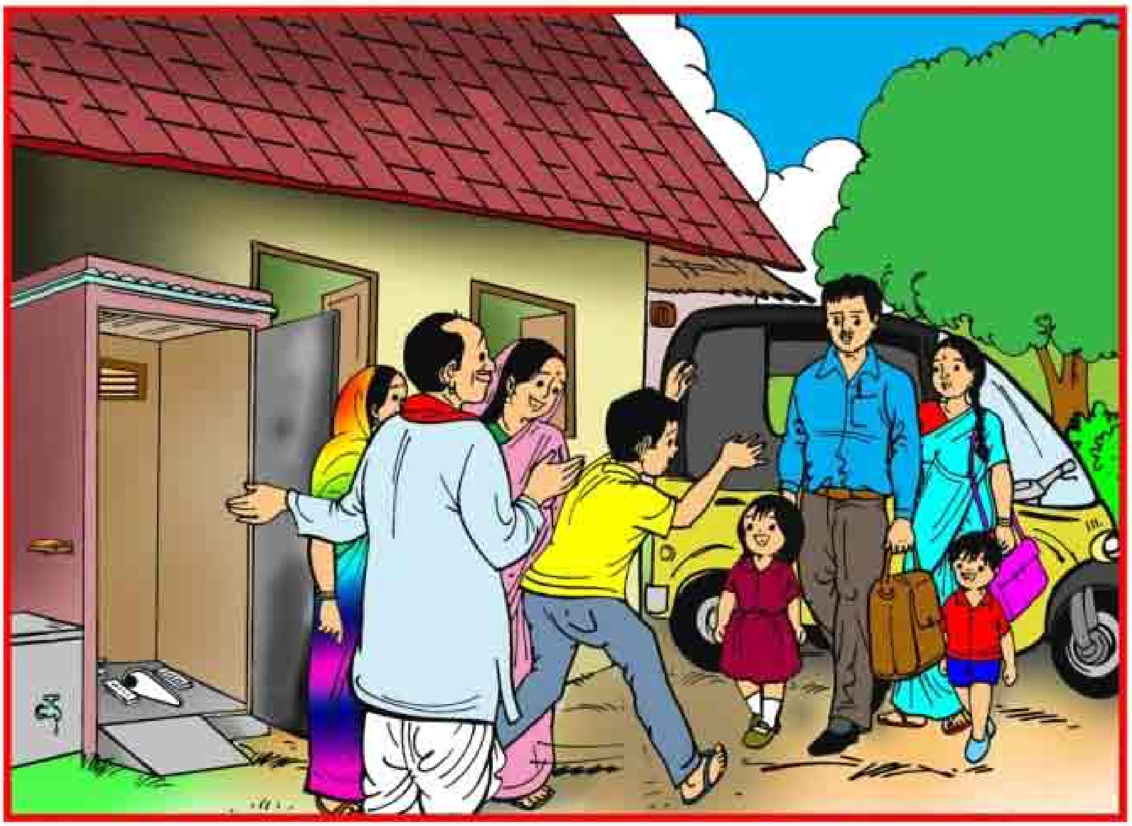

अब बात बजट में फिट-4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि नारायण जी ने अपने घर में शौचालय बनवा लिया है। अब उनकी बेटी अपने परिवार के साथ छुट्टियों में उनके घर आने लगी है।

चयन बेटी की खुशियों का-1

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः

- सुनीता, अलका की सहेली है, उसने अभी बी.ए. की पढ़ाई पूरी की है।
- उसके लिए आये दो रिश्तों की चर्चा उसके पिता, उसकी माँ से कर रहे हैं। सुनीता के पिता बड़ी मुश्किल में हैं कि उनकी बेटी की तुलना में कौन-सा लड़का सही रहेगा? क्योंकि वह अपनी बेटी से बहुत प्यार करते हैं और उसे किसी भी ऐसे रिश्ते से नहीं बांधना चाहते, जिसमें मुश्किलें हों।

प्रश्नः सुनीता अपने होने वाले रिश्ते के बारे में क्या सोच रही है?

उत्तरः

- वैसे तो सुनीता को पिताजी की पंसद पर पूरा भरोसा है, फिर भी वह इतना चाहती है कि उसके ससुराल वाले नए जमाने की सोच रखते हों।
- इसके अलावा वह चाहती है कि उसका पति उसे समझे और शादी के बाद उसे पढ़ने और नौकरी करने से भी न रोके, ताकि वह भी अपने पति के कंधे-से-कंधा मिलाकर चल सके।

चयन बेटी की खुशियों का-2

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में सुनीता के पिता दोनों लड़कों के घर-बार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

- सुनीता के पिता बताते हैं कि पहला लड़का है हेमंत, जो सरकारी दफ्तर में बाबू की नौकरी कर रहा है और अच्छा-खासा कमा लेता है।
- दूसरा है राजेश, जो पढ़ा-लिखा है और अपनी दुकान चलाता है, आमदनी भी अच्छी है।
- दोनों ही लड़को में कोई बुरी आदत भी नहीं है, साथ ही दोनों लड़कों के खानदान भी अच्छे हैं।

प्रश्नः सुनीता के पिता दोनों सुयोग्य रिश्तों में से किसका चुनाव करेंगे ?

उत्तरः सुनीता के पिता चाहते हैं कि मेरी बेटी जिस घर में भी जाए, गाँव में उनकी इज्जत हो और मेरी बेटी भी खुश रहे। सुनीता के पिता देखते हैं कि दोनों ही रिश्ते अच्छे हैं, उनके परिवार भी संपन्न हैं और दोनों के घर भी पक्के के हैं, ऐसी स्थिति में उनके लिये निष्कर्ष पर पहुँचना मुश्किल हो रहा है।

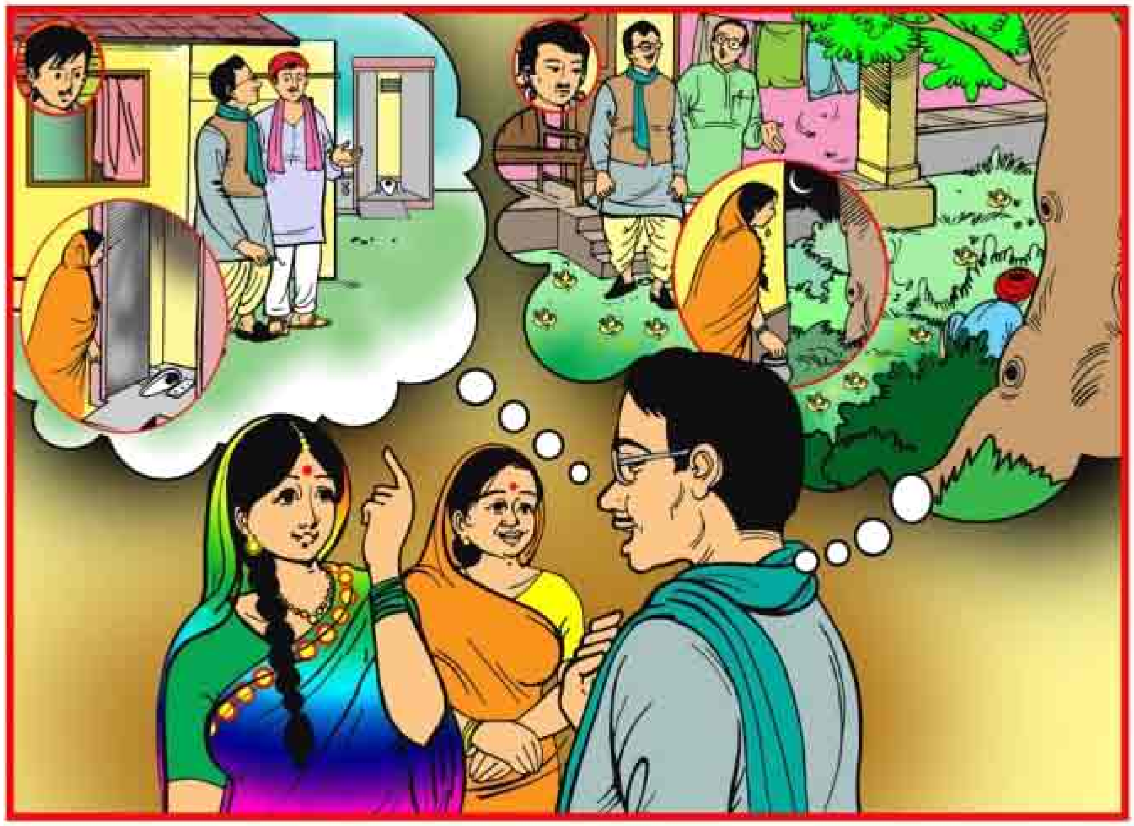

चयन बेटी की खुशियों का-3

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में सुनीता के माता-पिता और अलका भाभी आपस में बातचीत कर रहे हैं ओर होने वाले रिश्ते के बारे में सब कुछ समझना चाह रहे हैं। इसी क्रम में अलका पूछती है कि पक्के मकान हैं तो फिर शौचालय भी होगा?

प्रश्नः इस बारे में सुनीता के पिता ने क्या बातें बतायीं ?

उत्तरः

- सुनीता के पिता बताते हैं कि मैं दोनों ही घरों में गया था। हेमंत के पिता से पूछा तो उन्होंने कहा कि जब बाहर इतनी खुली जगह है, तो फिर घर में शौचालय बनाने का क्या फायदा? गाँव के तो सभी लोग बाहर ही जाते हैं। हमें भी बाहर जाना सही लगता है, कसरत-की-कसरत और खुले में जाने से शौचालय की साफ-सफाई का भी झंझट नहीं। इसलिए हमने शौचालय बनाने की जरूरत ही नहीं समझी!
- फिर सुनीता के पिता राजेश के घर के बारे में बताते हैं कि राजेश का घर थोड़ा छोटा है, लेकिन घर में सारी सुविधाएँ हैं। यहाँ तक कि पानी की व्यवस्था और शौचालय भी है। उनका घर मुझे काफी साफ-सुथरा भी लगा।

प्रश्नः उपरोक्त दोनों परिवारों की क्या मानसिकता दर्शाता है?

उत्तरः हेमन्त के घर में शौचालय का न होना परिवार के पुराने खयालात को दिखाता है, जबकि राजेश का परिवार प्रगतिशील विचारों का है।

चयन बेटी की खुशियों का-4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः चित्र में परिवार द्वारा सुनीता की शादी काफी सोच विचार कर राजेश के साथ करने का निर्णय लिया गया है।

प्रश्नः सुनीता का रिश्ता हेमंत के साथ तय नहीं हो सकने के पीछे क्या कारण थे ?

उत्तरः

- हेमंत का घर बड़ा होने के बावजूद, उनकी सोच वही पुरानी और घिसी-पिटी है। इतना पढ़े-लिखे होने और अच्छी जगह काम करने के बावजूद पिछड़ी एवं पुरानी सोच है।
- वहीं राजेश का घर छोटा है, लेकिन घर में शौचालय बनवाने की उनकी सोच ऊँची है और इससे पता चलता है कि सम्मान से जीना उन्हें आता है।

गया पानी सर से ऊपर-1

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः रजनीश काका, जो छोटी बहू अलका के सामने वाले मकान में रहते हैं और छोटी बहू के ससुर जी के बहुत अच्छे मित्र हैं। उन्हें मोबाईल से नंबर लगाना नहीं आता है। इसलिये वह अलका के घर मदद लेने के लिये आये हैं।

प्रश्नः रजनीश काका मोबाईल से किनसे बात करना चाहते है?

उत्तरः रजनीश काका मोबाईल से अपने बेटे तापस से बात करना चाहते हैं। जो शहर में रहता है। वह चाहते हैं कि उनका बेटा अपने परिवार के साथ इस साल छठ में पूजा में अपने गांव आये।

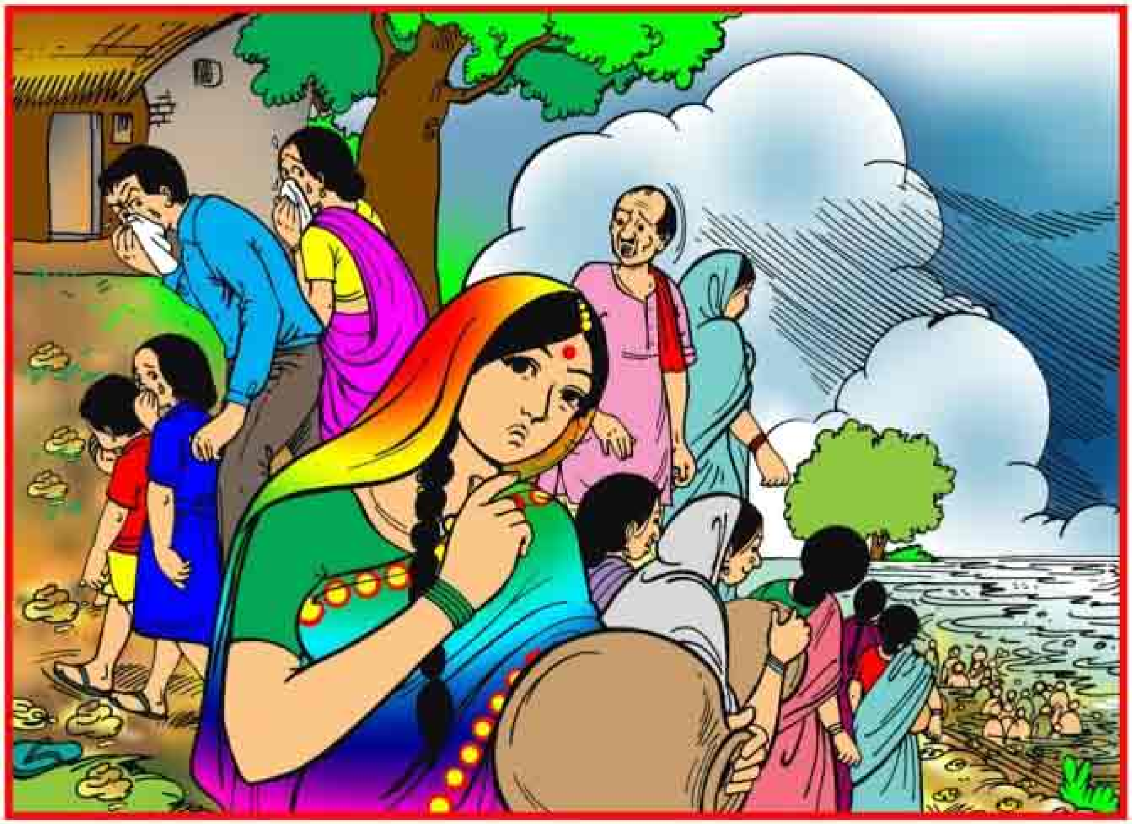

गया पानी सर से ऊपर-2

प्रश्नः इस चित्र में आप क्या देख रहे हैं?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि:-

- अल्का के गांव में छठ पूजा की तैयारियां चल रही हैं। सभी लोग नहाए-खाए के दिन नदी के आसपास इकट्ठा हुये हैं।
- अलका भी अपने परिवार के साथ वहाँ आई है, रजनीश काका के परिवार वाले भी मौजूद हैं।
- तब वह देखती है कि तापस अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बिना नहाए घर वापिस लौट रहे हैं।

प्रश्नः अलका जब तापस भैया को वापस लौटते देखती है, तो उनसे क्या पूछती है?

उत्तरः वह उन्हें रोक कर वजह पूछती है कि वह बिना नहाये घर क्यों वापस जा रहे हैं, तब तापस बताता है कि एक तो इतनी गंदगी और उपर से इतनी बदबू, कोई कैसे ऐसी जगह पर पूजा कर सकता है!? मक्खियों की वजह से वहाँ खड़ा होना मुश्किल हो गया है, सारा माहौल बिगड़ा हुआ है, पता नहीं, लोग समझते क्यों नही?

गया पानी सर से ऊपर-3

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः अगले दिन अलका अपने परिवार के बच्चों को लेकर और आस-पड़ोस से कुछ बच्चों को इक्टठा करती है और एक बाल करमचंद फौज या बानर सेना तैयार करती है, जिसका उद्देश्य गांव को खुले में शौच से मुक्त कराना है।

प्रश्नः बच्चों की इस बानर सेना को अलका ने क्या कार्य सौंपा?

उत्तरः बच्चों की यह फौज घर-घर जाकर लोगों को शौचालय बनवाने के लिये प्रेरित करती है। इसके वावजूद भी यदि गांव वालों को बात समझ में नहीं आती, तब वह लोगों को कड़े तरीके से समझाते हैं कि ''अगर खुले में शौच कर रहे हो, तो कम-से-कम मिट्टी से ढ़ंक दो। जानवर भी शौच करने के बाद उस मल को मिट्टी से ढ़क देता है, जैसे बिल्ली करती है।

गया पानी सर से ऊपर-4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः चित्र में बच्चों के द्वारा खुले में शौच जाने वाले लोगों को रोकते-रोकते एवं समझाते हुये दिखाया गया है। वह लोगों को मिट्टी से भरी थैली देना शुरू करते हैं, ताकि लोगों की समझ बने कि खुले में शौच के पश्चात् कम-से-कम मिट्टी तो डाल दी जाये। इसके अलावा बाल फौज, पंचायत के नोटिस बोर्ड पर खुले में शौच जाने वाले लोगों के नाम रोज लिखने लगते हैं।

प्रश्नः बच्चों एवं अलका के इस कार्यवाई से क्या गाँव वाले खुश हैं?

उत्तरः अलका एवं उसकी बाल करमचंद फौज के इस तरह से टोकने से लोग परेशान होना शुरू हो जाते हैं। गांव वाले इस बात का विरोध करते हैं और बात पंचायत तक पहुँच जाती है।

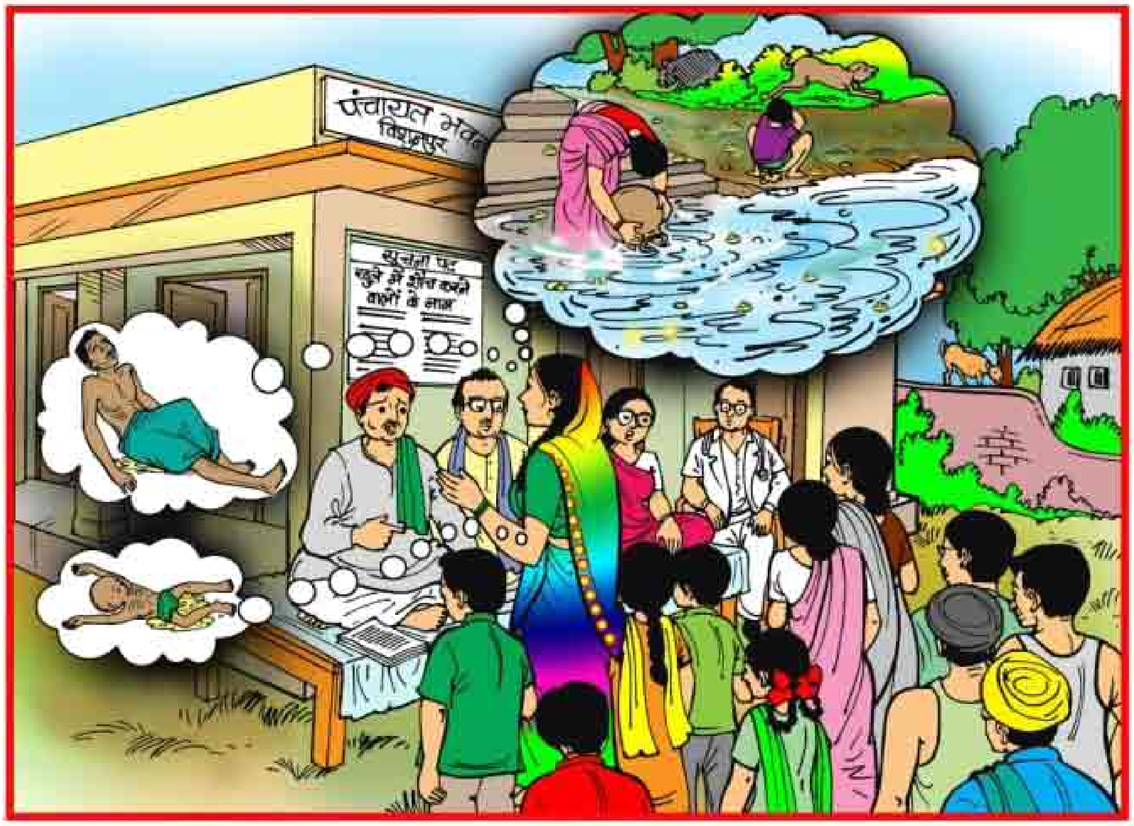

गया पानी सर से ऊपर-5

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः जब बात पंचायत एक पहुँच जाती है, तब बाल फौज और उसके सेनापति यानी 'छोटी बहू' को पंचायत में बुलाया जाता है। सब लोग उसकी निंदा करते है। उसकी समझदारी पर शक करते हैं और कहते हैं कि इतनी समझदार होकर ऐसा काम किया है!!

प्रश्नः छोटी बहू अलका ने पंचायत के सामने अपना क्या पक्ष रखा?

उत्तरः अलका तब यह कहती है कि किस तरह हर साल सालाना त्योहार के लिये सभी गांव वाले अपने रिश्तेदारों और बच्चों का इंतेजार करते हैं और वह आकर दो दिना भी नहीं रूकते हैं। ऐसा क्यों, कभी सोचा आपने?! उसकी वजह इतनी-सी है कि यहाँ हम हर जगर खुले में शौच करते हैं, जिस नदी का पानी हम पीते हैं, पूजा के लिये इस्तेमाल करते हैं। उस नदी का पानी जाने-अनजाने गंदा कर रहे हैं। इससे बीमारियां फैल रही हैं और बच्चे बीमार हो रहे हैं। गांव के सरकारी डॉक्टर भी वहाँ उपस्थित थे।

प्रश्नः गांव के सरकारी डॉक्टर ने पंचायत से क्या कहा?

उत्तरः गांव के सरकारी डॉक्टर ने कहा कि ''अलका सही कह रही है। गांव में बच्चों के अंदर बीमारी बढ़ती जा रही है। इसकी असली वजह दस्त, उल्टी, टायफायड जैसी घातक बीमारियां हैं। इस तरह लगातार बीमार पड़ने की वजह से बच्चों का संपूर्ण विकास नहीं हो पा रहा है। हम सिर्फ गांव को ही गंदा नहीं कर रहे हैं, बल्कि इन मासूम बच्चों का भविष्य भी बर्बाद कर रहे हैं।''

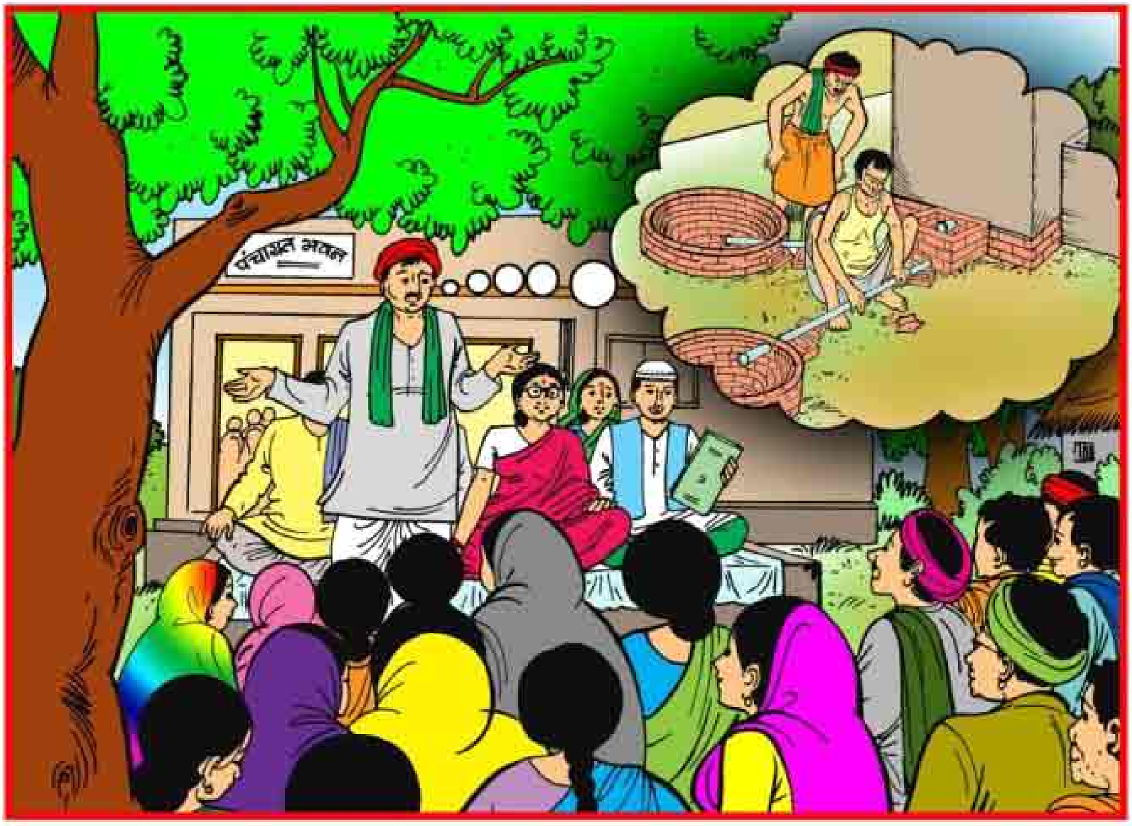

गया पानी सर से ऊपर-6

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि अल्का एवं डॉक्टर साहब की बात का असर पंचायत पर होता है और उन्हें समझ में आ जाता है कि अलका ने यह काम गांव एवं गांव के बच्चों की भलाई के लिये ही किया है।

प्रश्नः बात समझ में आने पर पंचायत क्या फैसला लेती है?

उत्तरः पंचायत यह निर्णय लेती है कि अब गांव में हर घर में शौचालय होगा, पंचायत उपस्थित सारे लोगों से शपथ दिलाती है कि आज बल्कि अभी से हम अपने गांव को स्वच्छ एवं खुशहाल बनाने की मन में ठान लें। शौचालय बनवाकर हम अपने गांव को खुले में शौच से छुटकारा दिलवायेंगे।

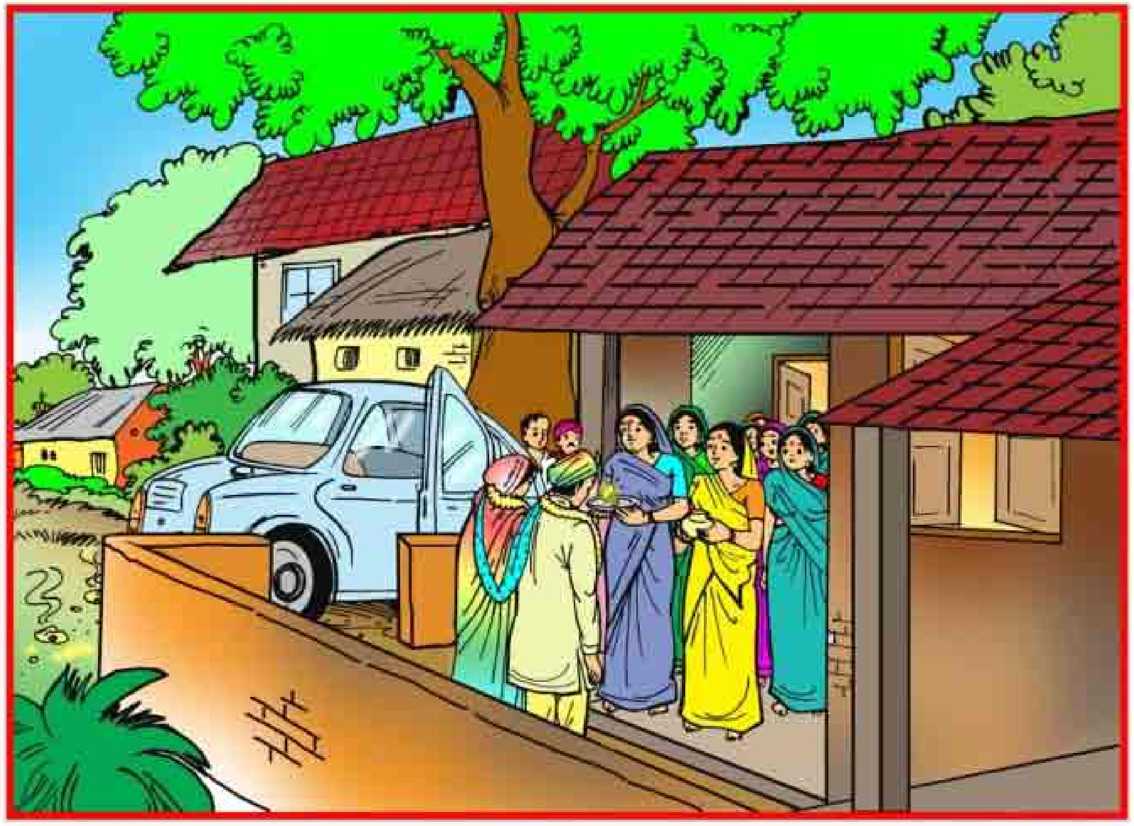

समझदारी की बात-1

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः अलका 22 साल की समझदार लड़की है, जिसका रिश्ता पड़ोस के गांव में चुनचुन कुमार से पक्का हुआ है। शादी के पश्चात् अलका अपने ससुराल में आती है और परिवार के लोग घर पहुंचने पर वर-वधु का स्वागत बड़े धूम-धाम से कर रहे हैं।

प्रश्नः घर में प्रवेश करते समय अलका ने क्या देखा?

उत्तरः घर में प्रवेश करते समय रास्ते में अलका ने पाया कि घर एवं गांव में साफ-सफाई की स्थिति ठीक नहीं है। गांव एवं घर के प्रवेश द्वार के पास ही मल-मूत्र जगह-जगह बिखरे पड़े हैं।

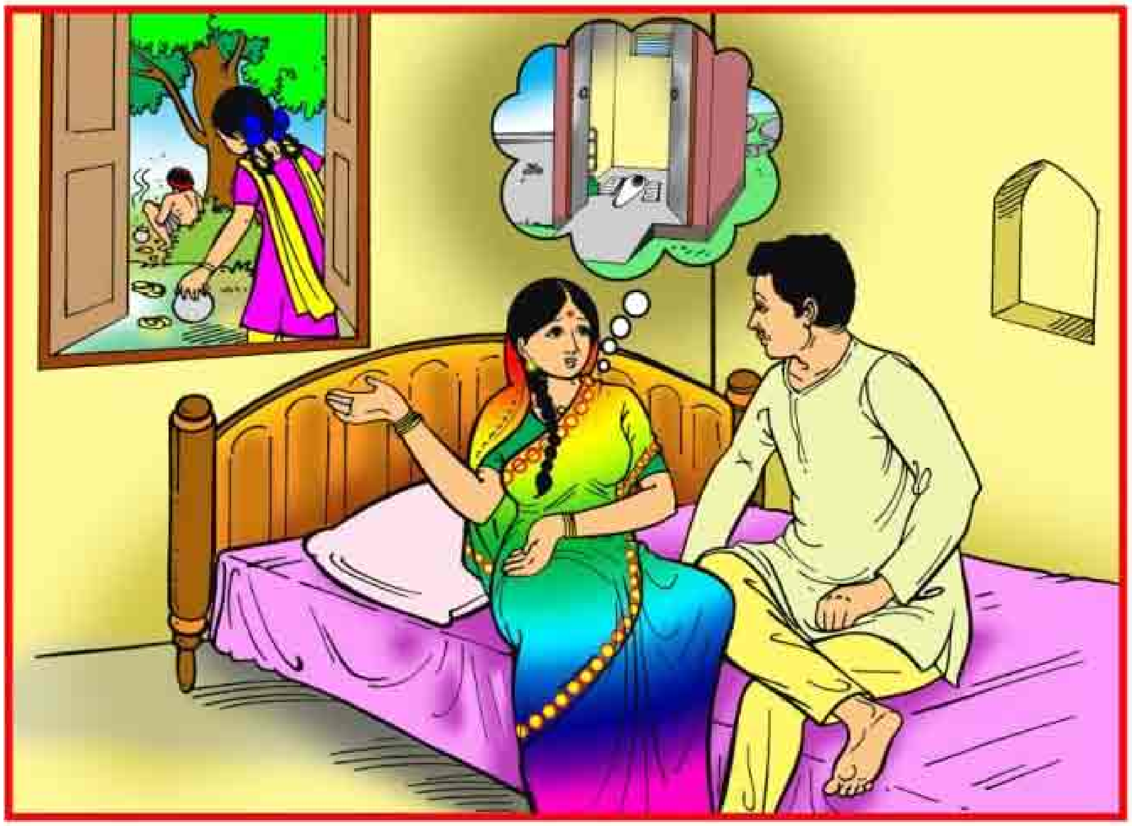

समझदारी की बात-2

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तर: चित्र में अलका अपने पति चुनचुन को बता रही है कि घर में शौचालय नहीं रहने के कारण परिवार के सदस्य खुले में शौच करने जाते हैं। अल्का को खुले में शौच जाने में असहजता महसूस होती है।

प्रश्नः अल्का के पति ने इस संबंध में क्या कहा?

उत्तर:अलका के पति ने कहा कि हम अपने घर शौचालय निर्माण करवाने के लिए सोच रखे हैं, इसके लिए हम अपने पिताजी से बात करेंगे।

समझदारी की बात-3

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः चित्र में अलका अपनी ननद को, जो कि स्कूल जाती है और अब बड़ी हो रही है, समझाती है कि:-

- ☐ उसे इस तरह खुले में शौच जाने में कई तरह की दिक्कतें आ सकती हैं।
- ☐ सुबह अंधेरे में जाना और कभी शाम को सूरज ढलने का इंतेजार करना, कितना अजीब लगता है और शर्म भी आती होगी।
- ☐ अलका अपनी ननद को समझाती है कि तुमने स्कूल में यह सब पढ़ा होगा कि कैसे खुले में शौच करने पर उस पर मक्खियाँ मंडराती हैं, जिससे कई तरह की खतरनाक बीमारियाँ फैल सकती हैं।
- ☐ खुले में शौच करने से वातावरण दूषित होता है और हम खुद ही कई तरह की बीमारियों के शिकार हो जाते हैं।

प्रश्नः अल्का की बातों का उसकी ननद पर क्या प्रभाव हुआ?

उत्तरः

- ☐ ननद भी इस तरह की परेशानी रोज ही झेल रही थी, लेकिन उसके पास कोई और चारा नहीं था, इसलिए मजबूरी में उसे खुले में ही शौच जाना पड़ता था।
- ☐ लेकिन अलका के समझाने से उसे यह अहसास होता है कि उसकी भाभी सही कह रही हैं। दोनों इस बात पर सहमत होती हैं कि शौचालय ही घर की पहली जरूरत है और फिर वह दोनों तय करती हैं कि अच्छा-सा मौका देखकर पिताजी से इस बारे में बात करेंगी।

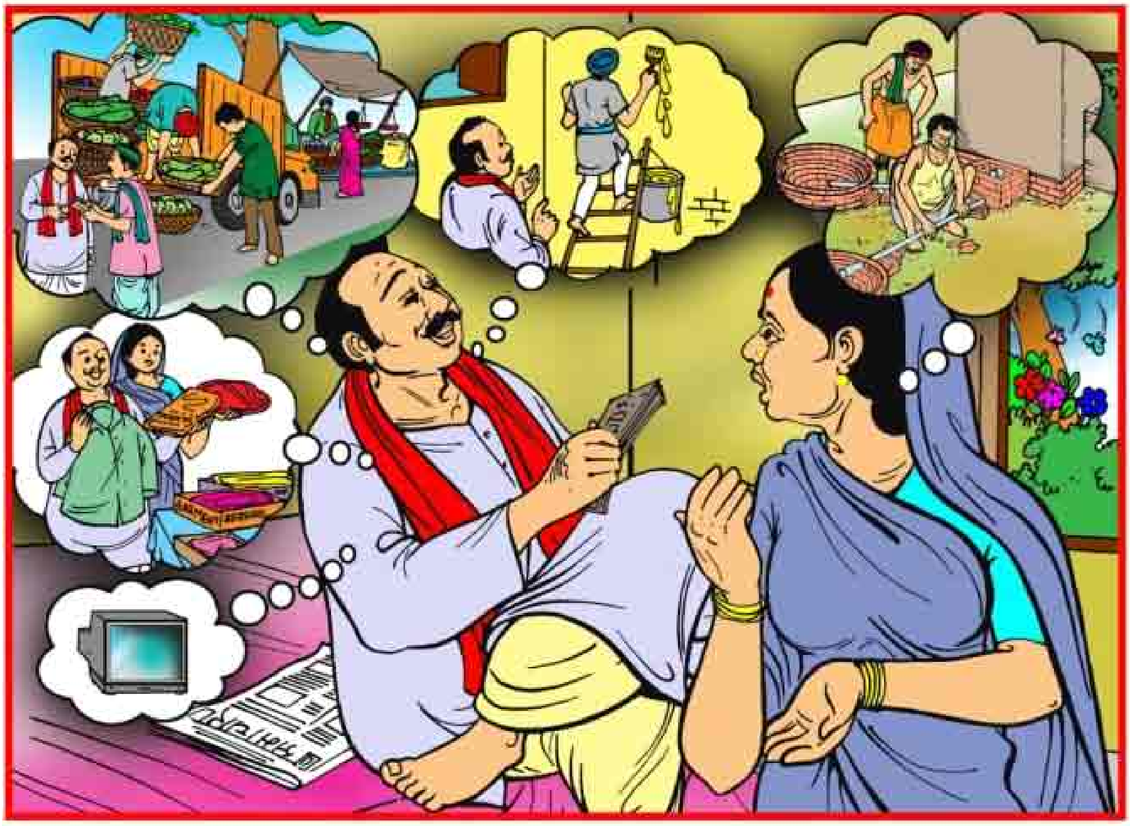

समझदारी की बात-4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि अलका के ससुरजी आज काफी खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने हाथ में काफी रुपये रखे हुए हैं और वह उन रुपयों से कुछ करने के लिये सोच रहे हैं।

प्रश्नः अलका के ससुरजी के पास इतने रुपये कहाँ से आये और वह इन पैसों के क्या करना चाहते हैं?

उत्तरः अलका के ससुरजी ने इस बार अनाज के साथ-साथ सब्जियों की भी खेती की थी, जिसमें उन्हें अच्छा फायदा हुआ है। अब वह इन पैसों से चाहते हैं कि :-

- ☐ इस दीपावली में अपने घर में सफेदी करवायें।
- ☐ परिवार के लिये नये कपड़े खरीदें।
- ☐ घर के लिये नया रंगीन टीवी भी खरीदें।

प्रश्नः अलका की सास इन पैसों के खर्च के लिये क्या सोच रही है और वह अपने पति से क्या बताना चाह रही है?

उत्तरः सास कहती है कि अभी दीवारें साफ-सुथरी हैं, थोड़ी सफाई हो जायेगी तो चमकने लगेंगी और यही बात नये कपड़ों एवं टीवी की है जो अगली बार भी खरीदे जा सकते हैं। लेकिन एक चीज, जिसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, वह है शौचालय! आज के जमाने में शौच के लिये बाहर जाना ठीक नहीं लगता। अगर घर में एक शौचालय हो, तो कितना अच्छा हो!

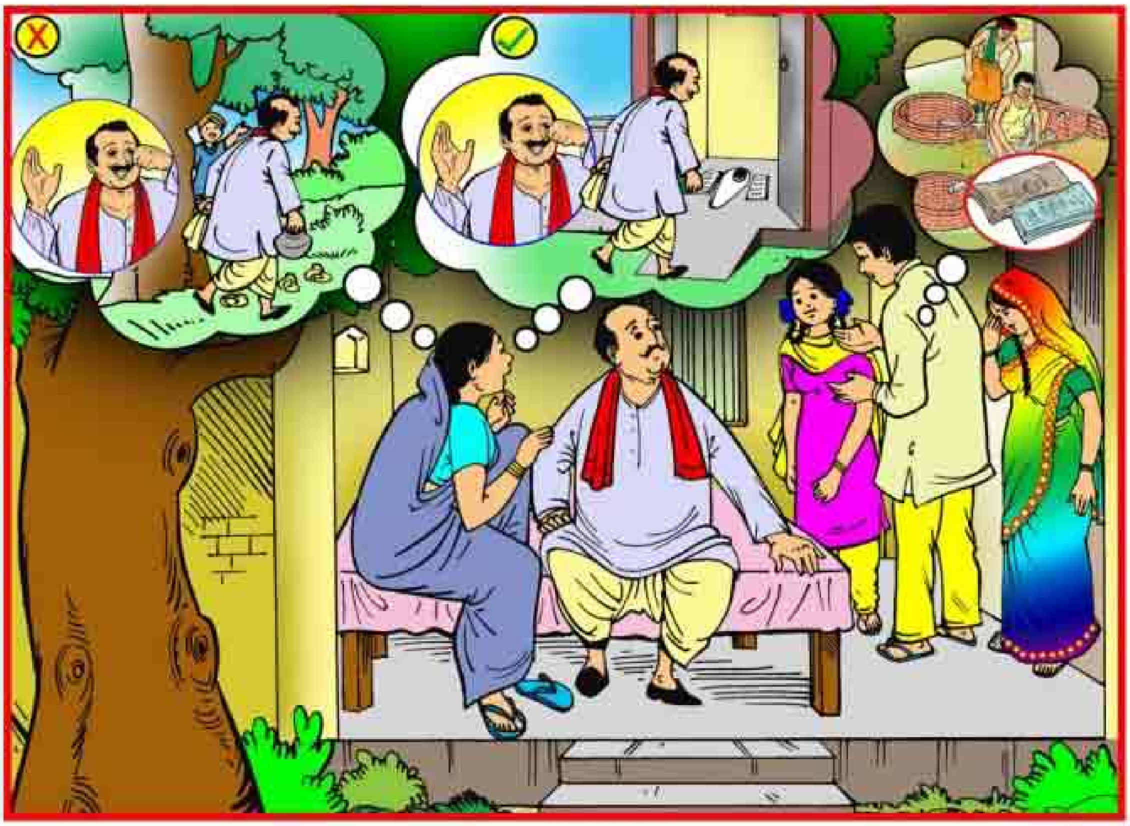

समझदारी की बात-5

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि अलका के ससुरजी को परिवार के सारे सदस्य घर में शौचालय निर्माण के लिए समझाते हैं।

प्रश्नः अलका के ससुरजी को परिवार के सदस्य क्या समझाते हैं?

उत्तरः अलका की सास कहती है कि खुले में शौच जाने से परिवार के सभी लोगों को परेशानी हेती है तथा उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ती ह। साथ ही परिवार के मुख्यिा होने के कारण आपकी भी प्रतिष्ठा खराब होती है।

प्रश्नः अलका के ससुरजी ने क्या कहा ?

उत्तरः अलका के ससुरजी ने कहा कि बात तो तुमलोग ठीक कह रहे हो, लेकिन शौचालय निर्माण में काफी पैसा लगता है। हालांकि फसल अच्छी हुई है, लेकिन मेरे पास उतने पैसे नहीं हैं, जितने में शौचालय बन जाये।

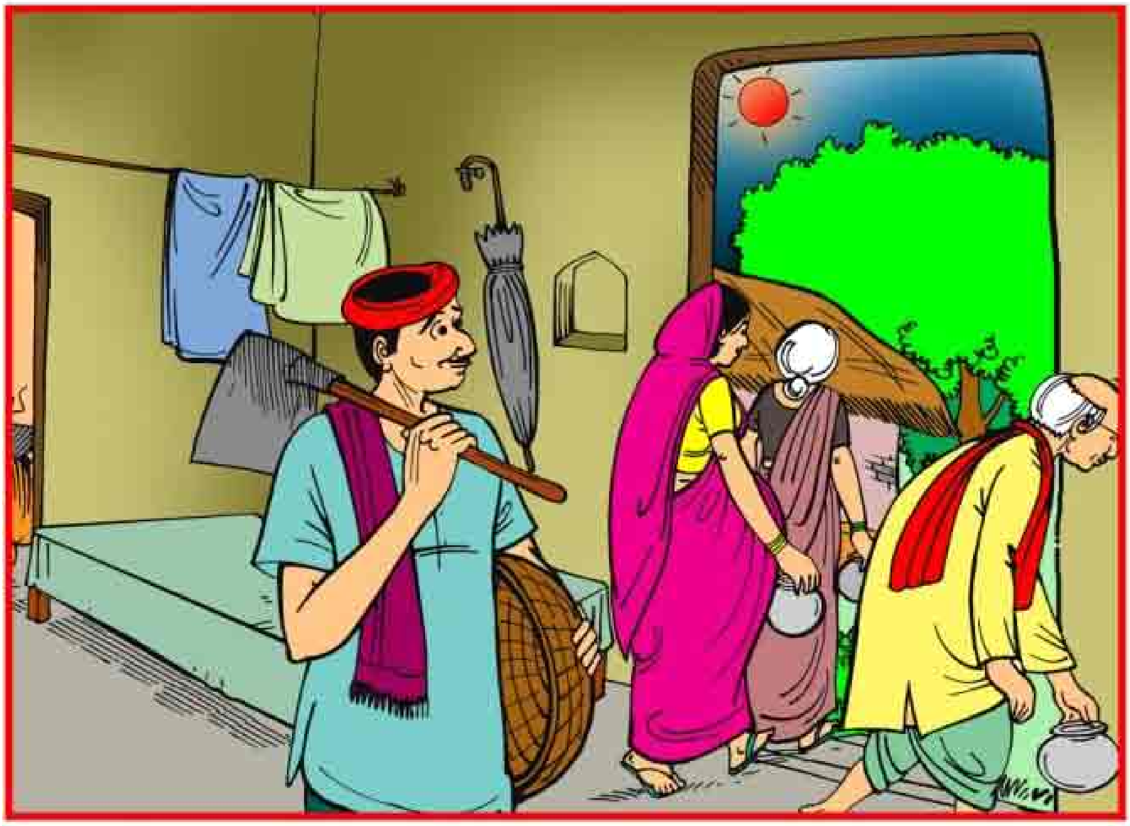

भाई बहन-1

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः सुभाष एक मेहनती किसान है, लेकिन उसे वही पुराने खयालात पसंद हैं, लोटा लेकर शौच के लिये खुले में जाना। वह एवं उसका सारा परिवार शौच के लिये बाहर खुले में ही जाता है। यहाँ तक कि सुभाष की गर्भवती पत्नी भी।

प्रश्नः सुभाष को शौचालय बनवाने में क्या परेशानी है?

उत्तरः

- उसका मानना है कि हमारे दादा-परदादा भी इसी तरह बाहर शौच के लिये जाया करते थे और खुले में शौच जाने में बुराई ही क्या है?
- गांव के सब लोग तो बाहर खुले में ही जाते हैं।
- खुले आसमान के नीचे और साफ हवा के बीच शौच जाने से सेहत तंदरूस्त रहती है।

इसी कारण सुभाष ने घर में शौचालय नहीं बनवाया है।

भाई बहन-2

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः सुभाष की पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया है। सुभाष एवं उनके परिवार के सारे सदस्य घर में नये मेहमान के जन्म से काफी खुश थे । इस खुशी में शामिल होने के लिये वह अपनी बहन शोभा एवं उनके पति एवं बच्चों को जो कि शहर में रहते हैं, को बुलाना चाहते हैं, हालांकि शोभा गांव आना नहीं चाहती, लेकिन इस खुशी में शामिल होने के लिए आ जाती है।

प्रश्नः शोभा को गांव आने में क्या झिझक थी?

उत्तरः

- शोभा एवं इसके पति पढ़े-लिखे और नये जमाने के साथ चलना पसंद करते हैं। पहले तो शोभा कभी-कभार अपने मायके आ जाया करती थी, लेकिन अभी उसने आना बहुत कम कर दिया है।
- इसकी वजह वह अपने पति से बताई थी कि घर में शौचालय नही है और वह खुले में जाना पंसद नही करती। वह अपने भाई को भी कई बार इस बारे में बता चुकी थी, इसके बावजूद उसके भाई पर कोई असर नहीं हुआ।

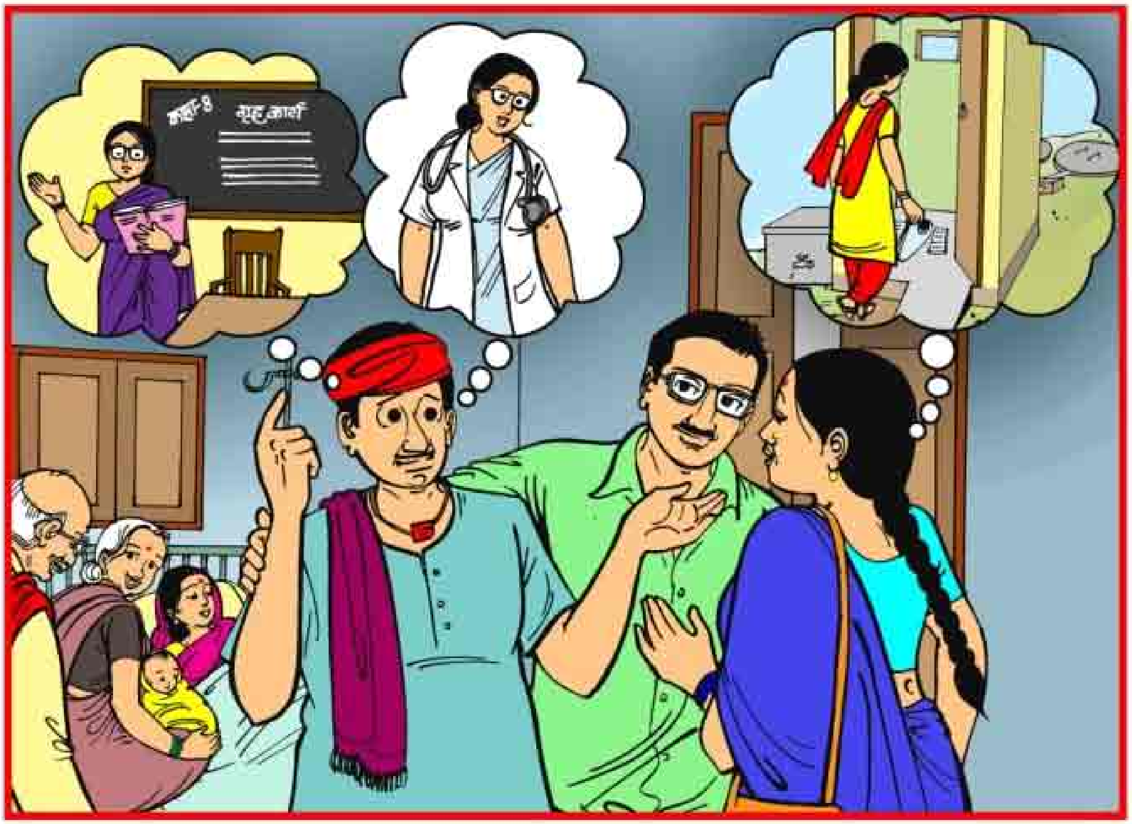

भाई बहन -3

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से सुभाष के जीजा एवं शोभा दीदी को उसके घर में आते दिखाया गया है, जिन्हें देखकर सुभाष की खुशी का ठिकाना नहीं था । लेकिन इधर दोनों लोगों के मुंह बने हुये थे। सुभाष ने उनके लटके मुंह देखकर कारण पूछा, तो शोभा बोली- ''कुछ नहीं भाई! बस यही सोच रही थी कि लड़का होता, तो कितना अच्छा होता.... लड़कियाँ तो पराया धन होती हैं और बोझ भी!''

प्रश्नः शोभा के ऐसा कहने पर सुभाष की क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तरः

- इस पर सुभाष झल्ला गया और गुस्से में बोला, ''किस जमाने में जी रही हो तुम दीदी? जमाना बदल गया है और तुम भी तो एक लड़की हो, फिर भी हमने तो तुमको कभी अपना बोझ नहीं समझा।''
- ''तुम्हारी खुद की भी दो बेटियाँ हैं, जिनपर तुम्हें गर्व है! यही नहीं, तुम उन्हें अच्छी तरह पढ़ा-लिखाकर उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर बनाने की सोच रही हो!''
- ''मैंने खुद आप से ही सीखा है कि लड़का एवं लड़की में कोई फर्क नहीं होता। जमाना कितना बदल गया है...आपलोगों की सोच पर मुझे कितना गर्व होता था, लेकिन यह क्या ?''

प्रश्न : सुभाष की इन बातों पर जीजा जी ने क्या कहा?

उत्तरः

- जीजा जी तो इसी समय के इंतजार में थे, और तुरंत बोले, ''अब आया न ऊँट पहाड़ के नीचे, हम यही तो तुम्हें समझा रहे थे कि इतने दिनों से एक तरफ तुम नये जमाने के साथ चलने की बात करते हो और खुद वही पुराने जमाने में फंसे हो!...है इसका कोई जवाब तुम्हारे पास ?''
- ''जमाना बदल गया है। बदलते जमाने के साथ बदलो। जब हम बाकी लोगों से हट कर सोचते हैं और लड़का-लड़की में बिलकुल भी अंतर नहीं करते, तो शौचालय में मामले में क्यों पिछड़े जमाने में उलझे हो?

भाई बहन-4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः सुभाष को शोभा दीदी एवं जीजाजी की बात समझ में आ गयी है और वह समझ चुका है कि नये जमाने के साथ चलने के लिये घर में शौचालय होना अतिआवश्यक है। सुभाष ने घर पर शौचालय बनवाया एवं अब वह एवं परिवार के सभी सदस्य शौचालय का उपयोग करने लगे हैं।

गड्ढों को रहस्य - 1

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया जा रहा है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से किसान जगन के मन में शौचालय के गड्ढ़ों को लेकर उठ रही दुविधा को दर्शाया गया है। जगन गॉव में बन रहे शौचालय की मुहिम से यूं तो खुश है, परंतु मन में परेशानी भी बनी हुई है।

प्रश्नः जगन की परेशानी का क्या कारण है?

उत्तरः जगन की परेशानी का कारण है कि जगन के परिवार में कुल 05 सदस्य हैं, जिसमें पत्नी, दो बच्चे एवं मॉं है। घर में शौचालय निर्माण हो गया है, परंतु जगन को लगता है कि गड्ढे छोटे हैं, कहीं दो-से-तीन महीने में भर न जायें! फिर उसे खाली कराने में होने वाली झंझट को सोचकर वह परेशान हो रहा है।

गड्ढों को रहस्य-2

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि जगन ने अपने शौचालय में ताला लगा रखा है तथा अपने बच्चों को शौच के लिये बाहर जाने के लिये कह रहा है।

प्रश्नः जगन ने अपने शौचालय में ताला क्यों लगा दिया है?

उत्तरः घर पर कोई शौचालय का प्रयोग न कर सके, इसके लिये जगन ने अपने शौचालय के दरवाजे पर ताला लगा दिया है। जगन चाहता है कि शौचालय का उपयोग सिर्फ आपकालीन स्थितियों में ही हो, ताकि शौचालय के गड्ढे जल्द न भरें।

प्रश्नः क्या जगन के ऐसा करने से परिवार के अन्य सदस्य खुश होंगे?

उत्तरः बिलकुल नहीं! उसकी पत्नी, माँ और बच्चे उसकी इस हरकत से परेशान नजर आ रहे हैं। शौचालय बनने की जो खुशी उनके चेहरे पर थी, वह अब ताले को देखकर मुरझा गयी है।

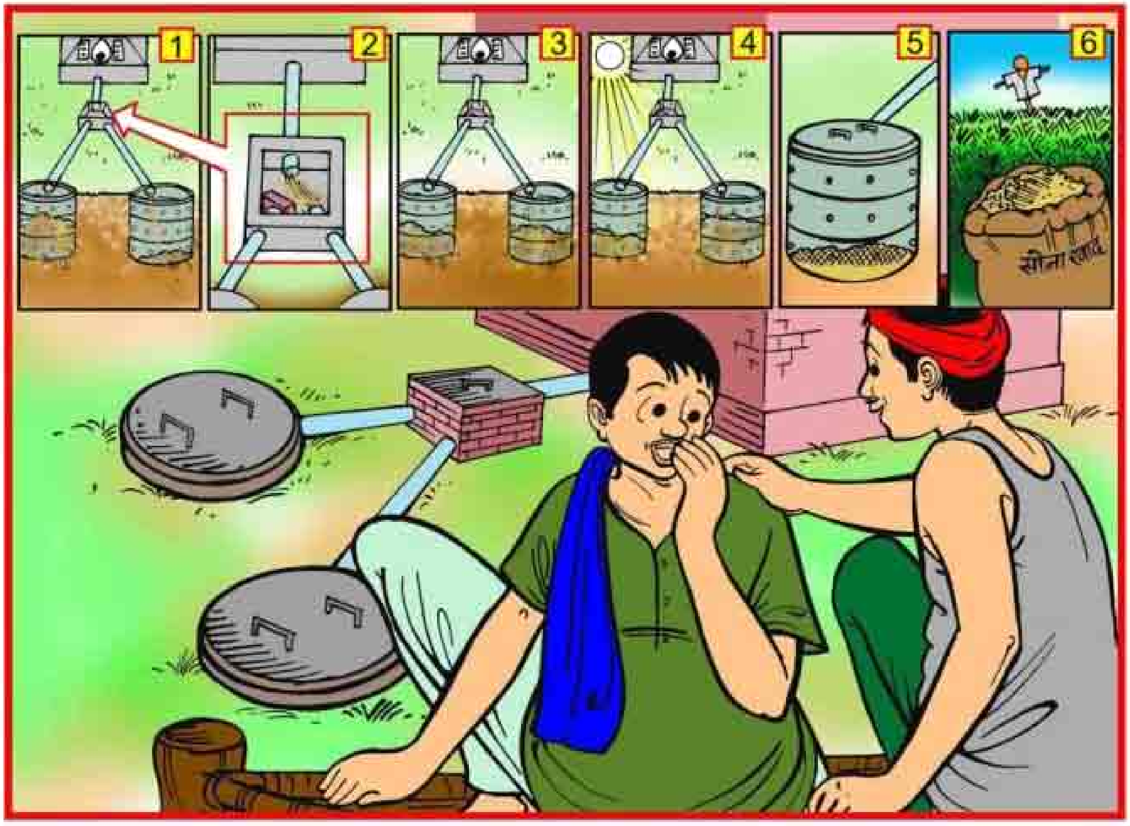

गड्ढों को रहस्य-3

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः

- ☐ इस चित्र में जगन को अपने मित्र बिरजू से बात करते हुए दिखाया गया है। बातों-ही-बातों में बिरजू ने यह जान लिया है कि जगन अपने परिवार के सदस्यों को शौचालय का इस्तेमाल करने नहीं देता है।
- ☐ बिरजू, जगन के कंधे पर हाथ रखकर उसे समझाता है- ''देख जगन, यह जो शौचालय है, इसके गड्ढे इतनी जल्दी नहीं भरते।''
- ☐ वह जगन को शौचालय के पीछे बने गड्ढों के पास ले जाता है और गड्ढों की उपयोगिता के बारे में बताता है।

प्रश्नः बिरजू ने जगन को गड्ढों की उपयोगिता के बारे में क्या बताया?

उत्तरः

- ☐ बिरजू ने समझाया कि मेरे घर में 6 लोग हैं और पिछले 10 साल से हम इन दो गड्ढों वाले शौचालय का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। कभी भी कोई परेशानी नही अयी। जबकि तुम्हारे घर में तो 5 ही लोग हैं, इस हिसाब से तो इसे ज्यादा ही चलना चाहिए।
- ☐ बिरजू ने यह भी बताया कि इसकी गहराई और चौड़ाई में मत जाओ। जब पहला गड्ढा 3 साल बाद भर जाये, तब पहले गड्ढे की पाइप अच्छी तरह से बंद कर देते हैं तथा दूसरे गड्ढे की पाइप खोल देते हैं, ताकि मल दूसरे गड्ढों में जाने लगें।
- ☐ 2 साल बाद जब पहले बंद गड्ढों को खोलेंगे, तो जो शेष अवशिष्ट बचेगा, वह सोना खाद का रूप ले लेगा।
- ☐ बिरजू उसे यह भी बताता है कि जमीन में मल रहकर सूख जाने के बाद उसमें मौजूद सभी कीटाणु मर जाते हैं, इससे उसमें न बदबू होती है, न ही कीटाणु।

गड्ढों का रहस्य-4

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से यह दिखाया गया है कि जगन को मित्र बिरजू की बात समझ में आ गयी और उसे गड्ढों के रहस्य के बारे में पता लग गया है और उसने शौचालय के दरवाजे पर लगा ताला खोल दिया।

प्रश्नः क्या ऐसा करने से परिवार के अन्य सदस्य खुश होंगे?

उत्तरः उसके ऐसा करने से उसके परिवार के सारे सदस्य खुश नजर आ रहे हैं। अब वे शौचालय का इस्तेमाल अपनी सुविधा एवं आवश्यकता के हिसाब से कर सकते हैं।

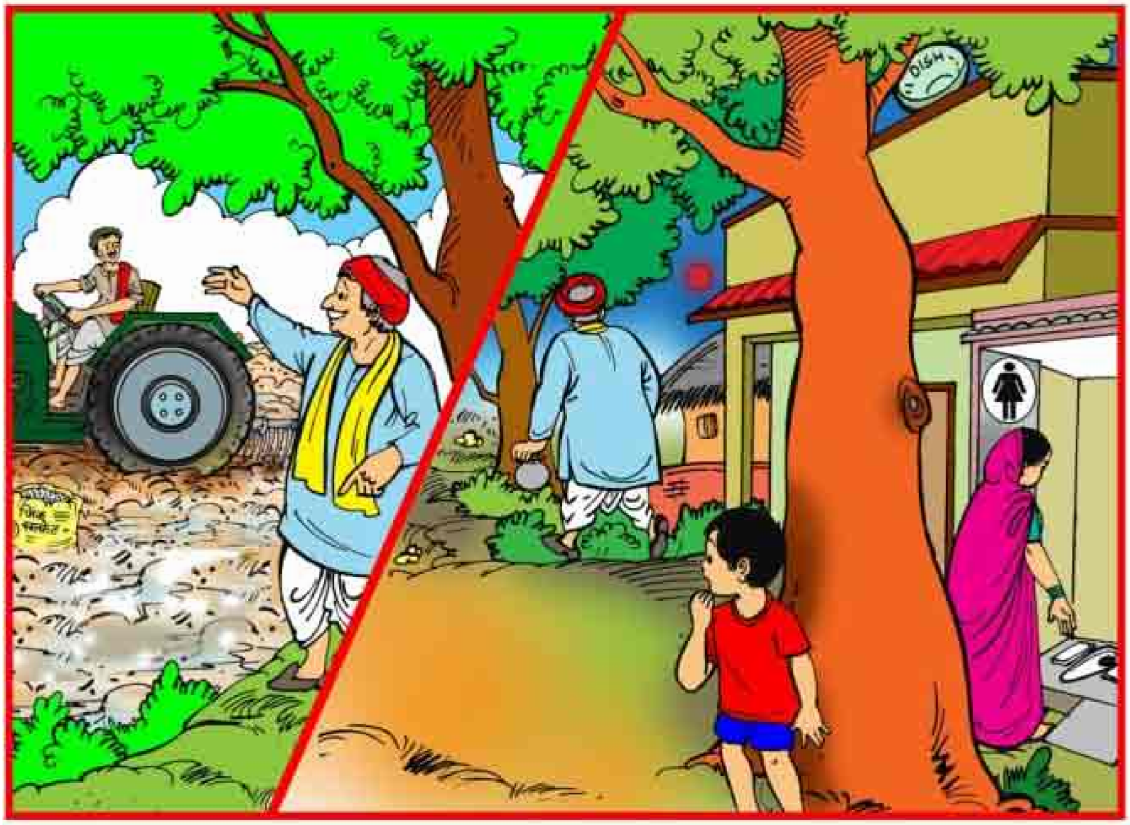

मासूम सवाल -1

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः

☐ललित 6 साल का मासूम लड़का है, जो अपने दादा सुखदेव का सबसे लाडला और प्यारा पोता है।

☐सुखदेव को एक आदर्श किसान माना जाता है, जो अपनी खेती के लिये नई-नई तकनीकों को प्रयोग करते हैं।

☐गांव के अन्य किसान उनसे कृषि के मसलों में सलाह-मशविरा करते रहते हैं।

☐सुखदेव यूं तो नये खयाल के हैं, लेकिन घर में शौचालय होने के बावजूद भी शौच के लिये खुले में ही जाना पंसद करते हैं।

प्रश्नः घर में शौचालय होने के वावजूद दादा जी शौच के लिये बाहर क्यों जाते हैं?

उत्तरः घर के सभी लोगों ने कितनी बार कहा है कि जब अपने घर में इतना बढ़िया शौचालय बना है, तो आप भी इस्तेमाल कर लीजिए, लेकिन दादा जी एक नहीं सुनते। इनका मानना है कि "शौचालय औरतों के लिये होता है, और जहाँ औरतें जाती हैं, वहाँ मैं नहीं जाता।"

मासूम सवाल-2

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है ?

उत्तरः इस चित्र में दिखाया गया है कि घर के अन्य सदस्य तो शौचालय का प्रयोग कर रहे हैं, परन्तु घर में शौचालय रहने के बावजूद दादा सुखदेव खुले में शौच करने जा रहे हैं।

प्रश्नः शौचालय के प्रति दादा जी की क्या धारणा है?

उत्तरः इस संबंध में उनके पोते ललित ने उनसे कई बार पूछा- ''दादाजी, घर के शौचालय में आप क्यों नही जाते हैं?'' तो वह अपनी कड़क आवाज में बोलते हैं, ''शौचालय औरतों के लिये होता है लल्ला!....जहाँ औरतें जाती हैं, वहाँ मैं नहीं जाता।''

सारांशः सुगमकर्ता यहां लोगों से जानना चाहेगा कि क्या उनके गांव में भी ऐसा हो रहा है ? यदि हो रहा है, तो क्या यह परम्परा ठीक है?

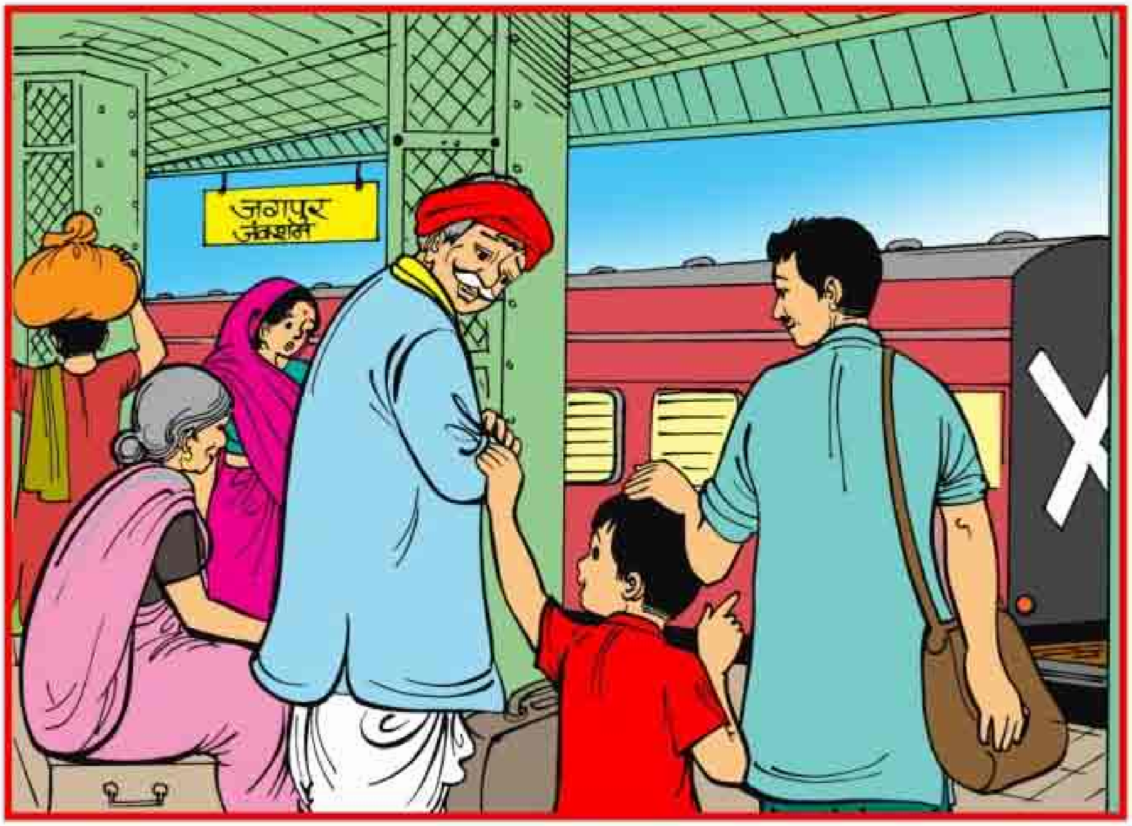

मासूम सवाल -3

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः दादा सुखदेव अपने छोटे बेटे से मिलने शहर जाने का कार्यक्रम बनाते हैं, उनके बेटे की तरक्की हुई है, तो सुखदेव जी अपनी पत्नी, बड़े बेटे-बहु और पोते के साथ ट्रेन से सफर पर जा रहे हैं। वे काफी खुश हैं।

मासूम सवाल- 4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः ललित, जो कि पहली बार ट्रेन में बैठा है, वह अपने दादा से ट्रेन में घुमाने की जिद्द करता है, तो उसके दादा जी उसे ट्रेन दिखाने के लिये चल देते हैं।

प्रश्नः ललित ने ट्रेन में क्या-क्या देखा?

उत्तरः

- ललित को ट्रेन बिलकुल घर जैसा लगता है। ललित अपने दादा से कहता है कि यहाँ तो सब कुछ है, आराम करने के लिये पंलग जैसी सीट, जो जरूरत पड़ने पर बंद भी हो जाती है। खिड़की, दरवाजे, खाने-पीने की व्यवस्था और यहाँ तक कि शौचालय भी है।
- ललित देखता है कि ट्रेन में पुरूष एवं महिलाएं, दोनों ही शौचालय का प्रयोग कर रहे हैं।
- ट्रेन में हाथ धोने का स्थान भी बना हुआ है।

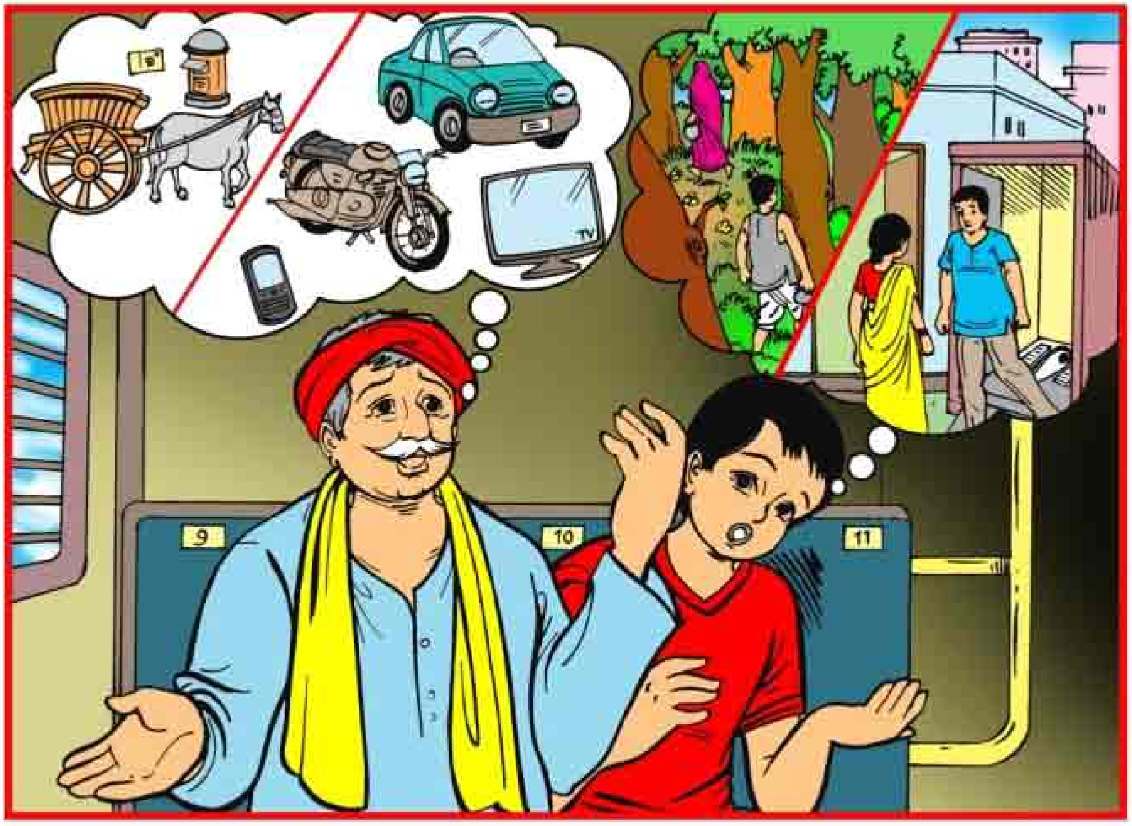

मासूम सवाल -5

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः ललित और दादा जी, दोनों ट्रेन में बैठे हैं और ललित अपने दादा से उत्सुकतावश जानना चाहता है कि - "क्या आपके दादा जी के जमाने में भी लोग ट्रेन में सफर करते थे?"

प्रश्नः इस प्रश्न का जबाब दादाजी क्या देते हैं ?

उत्तरः

- दादा जी बताते हैं कि उस समय यात्रा करने के लिये यह सब साधन नहीं थे। लोग पैदल या घोड़ा-गाड़ी या बैलगाड़ी का प्रयोग यात्रा के लिये करते थे।
- दादाजी ने ललित को यह भी बताया कि वह एक जमाना था, जब खेती में बैल आदि जानवरों का इस्तेमाल होता था, अब तो हम ट्रैक्टर से कितनी आसानी और सुविधा से खेती करते हैं।
- इसी तरह आजकल देखो, हमारे पास मोबाइल फोन भी हैं, घर में रंगीन टीवी है, जिससे कितनी सुविधा होती है। यह नया जमाना है और ट्रेन भी नये जमाने की चीज है।

प्रश्नः ललित के इस सवाल पर कि जब दादाजी आप भी नये जमाने के होते हुये भी खुले में शौच के लिये क्यों जाते हैं? तो दादाजी की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तरः दादाजी सोच में पड़ जाते हैं और इनके पास कोई जबाव नही होता। परंतु दादाजी इस बात को समझ जाते हैं कि वे नये जमाने के साथ तो नहीं चल रहे हैं। शायद उनसे कुछ भूल हो रही है।

मासूस सवाल-6

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दिखाया गया है?

उत्तरः दादाजी को नन्हें ललित की बातों से महसूस हो गया है कि इस मासूम से बच्चे के मासूम सवालों ने मुझे नये जमाने की बात सिखला दी। आखिर नये जमाने में होते हुए मैं खुद पुराने जमाने की सोच के साथ जी रहा हूँ। शौचालय का प्रयोग ना करके मैं खुद कहाँ नये जमाने के साथ हूँ।

प्रश्नः क्या ललित के दादाजी शौचालय का उपयोग अब करेंगे?

उत्तरः हाँ, ललित के दादाजी ललित से वादा करते हैं कि "अब से वह घर के शौचालय का ही इस्तेमाल करेंगे।"

सारांशः जो नये जमाने के साथ नही चलते, वह पीछे छूट जाते हैं।

पढ़ाई का इनाम-1

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः

- ☐ रवि अपने पिता केशवचंद्र का लाडला बेटा है। केशल चंद्र, नये जमाने के साथ चलने वाले व्यक्ति हैं।
- ☐ केशव चंद्र ने सोचा है कि इस साल उनका बेटा 12वीं पास कर जायेगा तो कॉलेज जायेगा। स्कूल तो फिर भी गांव के पास था, इसलिए पैदल आना-जाना हो जाता था।
- ☐ लेकिन कॉलेज तो बहुत दूर होगा, अब उन्हें बेटे के कॉलेज आने-जाने की चिंता हुई, रवि के पिता को लगा कि सारा समय तो बेटे का कॉलेज आने-जाने में ही चला जायेगा, फिर पढ़ाई का समय कब बचेगा?

प्रश्नः इस समस्या के समाधान के लिये रवि के पिता ने क्या सोचा?

उत्तरः

- ☐ उन्होंने अपने बेटे के लिये पुरानी बाइक खरीदने की सोच ली।
- ☐ इधर रवि ने खूब मेहनत की और 12वी में अच्छे नंबरों से पास भी हो गया।
- ☐ केशवचंद्र को इसी समय का इंतजार था। वह इन सब बातों को सोच ही रहे थे कि तभी इन्हें खयाल आया कि अभी कुछ दिन पहले उनके गांव के मुखिया जी ने उन्हें एक पुरानी बाइक के बारे में बताया था, जो कम कीमत में मिल रही थी। यही कोई 13-14 हजार रूपये में। उन्होनें उस बाइक को रवि को दिलाने के लिये मन बना लिया।

पढ़ाई का इनाम-2

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः जब बाइक का जिक्र केशव चंद्र जी ने बेटे रवि से किया तो वह बहुत खुश हुआ। रवि का भी मन था कि कॉलेज जाने के लिये कोई-न-कोई साधन तो हो, बाइक से शान बढ़ेगी और दोस्तों के बीच प्रतिष्ठा भी।

प्रश्नः रवि बाइक मिलने की खुशी को किस प्रकार दोस्तों से बाँटना है?

उत्तरः

- रवि बहुत खुश था कि उसे अब जल्द ही बाइक मिलने वाली है, इस बात की खुशी को वह अपने दोस्तों में बाँटना चाहता था। उसे सुबह का इंतजार भारी पड़ रहा था, इसलिये शाम को ही उसने अपने दोस्तों को बुलया, फिर उन्हें बताने लगा कि कल मेरे पास बाइक होगी।
- सारे दोस्त खुश हुए और उससे अलग-अलग सवाल पूछते रहे, वह सबका जवाब एक ही बात से देता कि मेरे पिता मुझसे बहुत प्यार करते हैं, इसलिये मेरे लिये वह बाइक खरीद रहे हैं।

पढ़ाई का ईनाम-3

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः

- एक ओर तो सारे दोस्त उसे बधाई देते हैं और सब बारी-बारी से उससे बाइक चलाने की मांग भी रखते हैं।
- रवि कहता है, "यार आने तो दो, आयेगी तो सब चलायेंगे।"
- तभी एक ने बातों-बातों में कह दिया "यार! फिर तो तू सुबह-सुबह लोटा लेकर पैखाना भी बाइक से ही जाएगा...!!" सारे दोस्त ठहाका मारकर जोर-जोर से हँसने लगते हैं।

प्रश्नः इस व्यंग्य का रवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तरः रवि को वह बात चुभ गयी और वह चुपचाप वहाँ से चला गया। रवि अपने दोस्तों के द्वारा मजाक बनाए जाने पर काफी बेइज्जत हुआ। कहाँ वह अपना रूतवा बनाने की सोच रहा था! यहाँ तो सब उल्टा हो गया! रात भर वह सो नहीं पाया और इस बात पर गंभीरता से सोचने लगा।

पढ़ाई का इनाम-4

प्रश्नः इस चित्र में क्या दिखाया गया है?

उत्तरः अगले दिन जब रवि के पिता उसे बाइक लेने के लिये साथ चलने को कहते हैं, तब देखते हैं कि रवि का चेहरा उतरा हुआ है और वह कुछ सोच रहा है।

प्रश्नः रवि का चेहरा क्यों उतरा हुआ है और वह क्या सोच रहा है?

उत्तरः रवि का उत्साह आज कम है और काफी सोचने के बाद, रवि पिताजी से कहता है, ''पिताजी मैंने कुछ और सोचा है। मुझे बाईक नही चाहिए।''

प्रश्नः अगर रवि को बाईक नहीं चाहिए, तो उसे क्या चाहिए?

उत्तरः रवि अपने पिता से, दोस्तों द्वारा मजाक उड़ाए जाने की बात का जिक्र करते हुए कहता है ''बाईक से मेरी शान जरूर बढ़ेगी, लेकिन शौचालय न होने से जो हमारे पूरे घर के मान-सम्मान का मजाक उड़ाया जा रहा है, उसका क्या होगा!? मेरे लिये बाईक खरीदने से ज्यादा जरूरी है, घर में शौचालय बनवाना, जिससे हमारे घर वालों की पूरे गांव में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।''

तालाब के किनारे शौच करते लोग

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र के माध्यम से एक व्यक्ति को तालाब के किनारे शौच करते एवं महिलाओं को तालाब का पानी लेते हुए दिखाया गया है।

प्रश्नः तालाब के किनारे मल त्याग करने से क्या-क्या दुष्परिणाम होगा?

उतर

- ☐ तालाब का पानी दूषित होगा।
- ☐ दूषित पानी को पीने से दस्त और हैजा होगा।
- ☐ दूषित पानी में नहाने से चर्म रोग हो सकता है।

सारांश:-जल स्त्रोत में मानव मल मिलने से व्यक्ति एवं पर्यावरण दोनों को नुकसान होगा।

खेतों में शौच करते लोग

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र में लोग खेतों में शौच कर रहे हैं।

प्रश्नः खेतों में शौच करने का क्या दुष्परिणाम होगा?

उतरः

- ☐ खेतों के फसल के माध्यम से मल का घर तक पहुंचना।
- ☐ खेतों में उपजी कच्ची सब्जियों को बिना धोये खाने से मल का मुंह तक पहुंचना।
- ☐ मवेशियों के पैरों द्वारा मल का घर तक पहुंचना।

सारांशः

खेतों में किए गए शौच का विभिन्न माध्यमों से घर तक पहुंचना।

जंगल में शौच करते लोग

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र के माध्यम से जंगल में शौच करते लोगों को दिखाया गया है।

प्रश्नः जंगल में शौच करने के क्या-क्या दुष्परिणाम होंगे?

उतरः

- ☐ शौच करते समय जंगली एवं हिंसक जानवरों का खतरा बना रहता है।
- ☐ सांप-बिच्छू के काटने का खतरा बना रहता है।
- ☐ जहरीले कीट-पतंगों से खतरा, जैसे-मधुमक्खियां, टिड्डा आदि।
- ☐ महिलाओं एवं किशोरियों के साथ अपराध का खतरा बना रहता है।

सारांशः शौच करने के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना प्रबल।

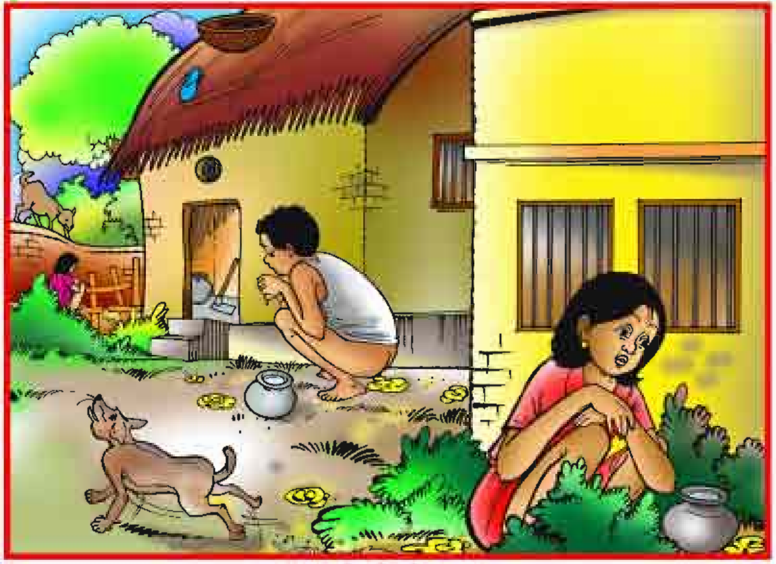

घर के नजदीक शौच करते बच्चे

प्रश्नः चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः चित्र में बच्चे घर के पास शौच कर रहे हैं।

प्रश्नः घर के पास शौच करने का क्या-क्या दुष्परिणाम हो सकता है?

उतरः

- ☐ घर का वातावरण दूषित होगा।
- ☐ बीमारियां फैलेंगी।
- ☐ बच्चों को जल्द बीमारी होने के खतरे।
- ☐ गंदगी से मक्खी, मच्छर पनपेंगे।
- ☐ बच्चों में बार-बार डायरिया होने का खतरा। बच्चे कुपोषित होंगे।
- ☐ मक्खियों के माध्यम से घर के भोजन में मल मिलकर मुंह तक पहुंचना

सारांशः घर के पास शौच करने से भोजन में मल एवं बच्चों में बीमारियां फैलेंगी।

सड़क के किनारे महिलाएं शौच करती हुई और लोगों के गुजरने के कारण हो रही असुविधा

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है ?

उतरः इस चित्र के माध्यम से सड़क के किनारे शौच करती हुई महिला को दिखाया गया है।

प्रश्नः सड़क किनारे शौच करते समय महिलाओं को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

उतरः

- ☐ सड़क पर गुजर रहे लोगों के कारण मल त्याग करने में हो रही असुविधा।
- ☐ लोगों को आते देख स्वयं में शर्मिंदगी महसूस करना।
- ☐ लोगों को आते देख मल त्यागते वक्त उठक-बैठक करना।
- ☐ अपने को असहाय महसूस करना।
- ☐ महिलाओं में होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्या।

सारांशः

सड़क किनारे मल त्याग करने से मर्यादा एवं स्वास्थ्य दोनों को हनन होता है।

शौच करने जाता बूढ़ा और बीमार व्यक्ति

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र के माध्यम से यह दिखाया गया है कि एक बूढ़ा एवं बीमार व्यक्ति शौच करने बाहर जा रहा है।

प्रश्नः बूढ़े एवं बीमार व्यक्ति को क्या परेशानियां हो सकती हैं?

उतरः

- ☐ फिसल कर गिरने का खतरा, जिससे चोट लगने की संभावना हो सकती है।
- ☐ अंधेरे में सांप-बिच्छू के काटने का खतरा।
- ☐ बरसात एवं अंधेरे में बाहर जाने में परेशानी ।

सारांशः

बूढ़े एवं बीमार व्यक्तियों की आवश्यकता के प्रति हमें संवेदनशील होना चाहिए एवं उनकी सुविधा का ध्यान रखना चाहिए।

बारिश में शौच करने जाती गर्भवती महिला

प्रश्नः इस चित्र में क्या दर्शाया जा रहा है?

उतरः इस चित्र में एक गर्भवती महिला बारिश में शौच करने बाहर जा रही है।

प्रश्नः खुले में शौच के दौरान एक गर्भवती महिला को किन-किन असुविधाओं का सामना करना पड़ सकता है?

उतरः गर्भावस्था के दौरान घर से बहुत दूर खुले में शौच करने जाने में समस्या हो सकती है।

- ☐ वर्षा के दौरान गिरने का खतरा बना रहता है, जिससे गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान पहुंच सकता है ।
- ☐ बरसात में साप-बिच्छू का खतरा बढ़ जाता है।
- ☐ खुले में शौच जाने पर गर्भवती महिला को स्वास्थ्य संबंधी खतरा भी हो सकता है ।

सारांशः गर्भवती महिला एवं गर्भस्थ बच्चे की सुरक्षा के लिये शौचालय आवश्यक है।

शौच करते हुए व्यक्ति के पास सांप का पहुंचना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र के माध्यम से यह दिखाया गया है कि एक व्यक्ति अपना मल त्याग रहा है ओर ठीक उसके पीछे एक सांप आ रहा है।

प्रश्नः इससे क्या खतरा हो सकता है?

उतरः

☐ शौच करते समय सांप काट सकता है।

☐ व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

सारांशः

खुले में एवं एकांत में शौच जाने पर दुर्घटना की आशंका अधिक बढ़ जाती है। इसलिए शौचालय का इस्तेमाल करें।

शौच करते हुए बच्चे को धकेलकर मल खाता सूअर

प्रश्नः इस चित्र में क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस दृश्य में दिखाया जा रहा है कि एक बच्चा खुले में शौच कर रहा है और ठीक उसके पीछे एक सूअर उसका मल खाने आ रहा है।

प्रश्नः इससे बच्चे को क्या परेशानी हो सकती है?

उतरः

- ☐ बच्चे पर सूअर हमला कर सकता है।
- ☐ बच्चा दुर्घटना का शिकार हा सकता है।
- ☐ बच्चा मल-मूत्र में गिर सकता है।
- ☐ बच्चे को गंभीर चोट लग सकती है।

सारांशः

बच्चे कल का भविष्य है, उनकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए शौचालय बनाएं और बच्चों की जिंदगी बचाएं।

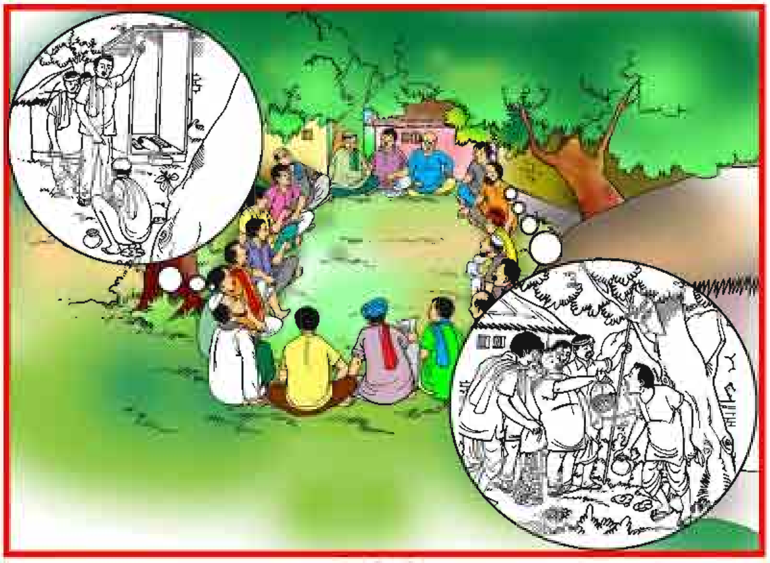

पुरूषों की निगरानी समिति का बनाया जाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से पुरूषों की निगरानी समिति एवं उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों को दर्शाया गया है।

प्रश्नः पुरूषों के नगरानी समिति के क्या कार्य होगें?

उत्तरः

- ☐ शौचालय की उपयोगिता के संबंध में पुरूषों से बातचीत करना एवं उन्हें जागरूक करना।
- ☐ सुबह एवं शाम फॉलोअप करना ताकि कोई भी पुरूष खुले में शौच न करें।
- ☐ संस्थाओं, यथा स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय है या नहीं उन पर निगरानी करना।
- ☐ कूड़े-कचड़े का निपटारा सही हो, इसके लिए उस पर निगरानी करना।
- ☐ ऐसे परिवार जो शौचालय निर्माण के लिये इच्छुक नहीं हैं, उनके साथ लगातार बातचीत करना एवं प्रेरित करना ।

महिलाओं की निगरानी समिति का बनाया जाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से महिलाओं की निगरानी समिति एवं उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों को दर्शाया गया है।

प्रश्नः महिलाओं की निगरानी समिति के क्या कार्य होंगे?

उत्तरः

- ☐ शौचालय की उपयोगिता के संबंध में महिलाओं से बातचीत करना एवं उन्हें जागरूक करना।
- ☐ सुबह-शाम फॉलोअप करना, ताकि कोई भी महिला खुले में शौच न करे।
- ☐ संस्थाओं, यथा स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय है या नहीं, उन पर निगरानी करना।
- ☐ कूड़े-कचड़े का निपटारा सही हो, इसके लिए उस पर निगरानी करना।
- ☐ गंदे पानी का सही तरीके से निपटारा एवं उसकी निगरानी करना।
- ☐ खान-पान की स्वच्छता बनी रहे, उस पर महिलाओं को जागरूक करना।

किशोरियों की निगरानी समिति का बनाया जाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से किशोरियों की निगरानी समिति एवं उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों को दर्शाया गया है।

प्रश्नः किशोरी निगरानी समिति के द्वारा निगरानी के दौरान क्या-क्या किया जाएगा?

उत्तरः खुले में शौच करने वाली किशोरियों/युवतियोंको खुले में शौच करने से रोकना।

- ☐ लोगों को प्रेरित करना कि खुले में मल त्याग के पश्चात मिटटी से ढंक दें।
- ☐ सुबह-शाम निगरानी करना।
- ☐ खुले में मल करने वाली लोगों में शर्म का अहसास करना।
- ☐ अपने विद्यालय के शौचालय को साफ सुथरा रखना एवं छात्रों को शौचालय का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना ।
- ☐ विद्यालय के स्तर पर शिक्षकों के सहयोग से प्रभात फेरी का आयोजन करना।

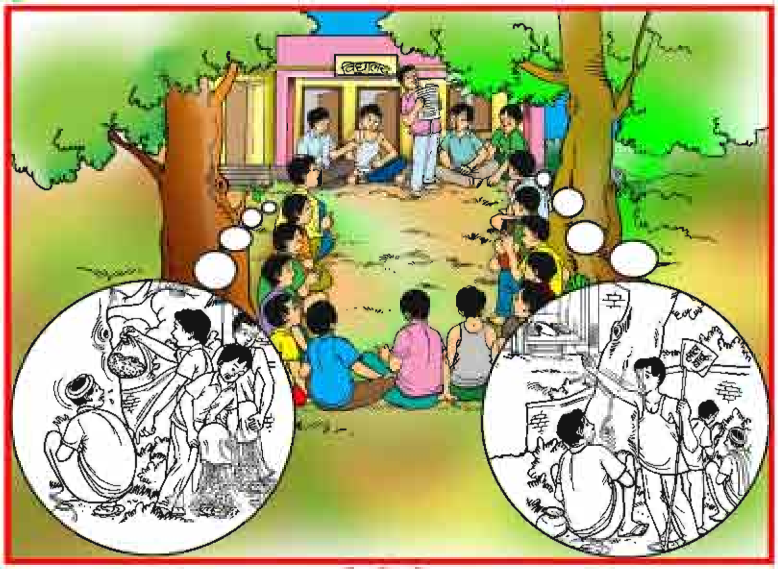

बच्चों की निगरानी समिति का बनाया जाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से बच्चों की निगरानी समिति एवं उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों को दर्शाया गया है।

प्रश्नः बच्चों की निगरानी समिति के द्वारा निगरानी के दौरान क्या-क्या किया जाएगा?

उत्तरः

- ☐ खुले में शौच करने वाले लोगों को खुले में शौच करने से रोकना।
- ☐ लोगों को प्रेरित करना कि खुले में मल त्याग के पश्चात मिट्टी से ढंक दें।
- ☐ सुबह एवं शाम के वक्त निगरानी का काम करना।
- ☐ खुले में मल करने वाले लोगों में शर्म का अहसास करना।
- ☐ अपने विद्यालय के शौचालय को साफ सुथरा रखना एवं छात्रों को शौचालय का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना।
- ☐ विद्यालय स्तर पर शिक्षकों के सहयोग से प्रभात फेरी का आयोजन करना।

बच्चों की निगरानी समिति द्वारा खुले में शौच के लिए जाते लोगों को समझाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से बच्चों की निगरानी समिति के द्वारा लोगों को खुले में शौच करने से मना किया जा रहा है तथा एवं खुले में किये गये मल को मिट्टी से ढंकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रश्न : बच्चों की निगरानी समिति के द्वारा यह कार्य कब किया जा सकता है।

उत्तरः बच्चों की निगरानी समिति के द्वारा यह काम सुबह एवं शाम को फॉलोअप के दौरान किया जा सकता है।

पुरूषों की निगरानी समिति द्वारा खुले में शौच के लिए जाते लोगों को समझाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से पुरूषों की निगरानी समिति के द्वारा लोगों को खुले में शौच करने से मना किया जा रहा है तथा एवं खुले में किये गये मल को मिट्टी से ढकने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रश्न : पुरूषों की निगरानी समिति के द्वारा यह कार्य कब किया जा सकता है।

उत्तरः पुरूषों की निगरानी समिति के द्वारा यह काम सुबह एवं शाम को फॉलोअप के दौरान किया जा सकता है।

महिलाओं की निगरानी समिति द्वारा खुले में शौच के लिए जाती महिलाओं को समझाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया जा रहा है ?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से महिलाओं की निगरानी समिति को दर्शाया गया है।

प्रश्नः महिलाओं की निगरानी समिति के क्या कार्य होंगे?

उत्तरः

- ☐ शौचालय की उपयोगिता के विषय में महिलाओं को जागरूक करना।
- ☐ सुबह और शाम फॉलोअप करना, ताकि कोई भी महिला खुले में शौच न करें।
- ☐ संस्थाओं, स्कूलों, अंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय है या नहीं, उस पर निगरानी करना।
- ☐ कूड़े- कचड़े का निपटान सही हो, उस पर निगरानी करना।
- ☐ गंदे पानी का ठीक से निपटान और उस पर निगरानी करना।
- ☐ खान-पान की स्वच्छता बनी रहे, उस पर महिलाओं को जागरूक करना।

किशोरियों की निगरानी समिति द्वारा खुले में शौच के लिए जाती महिलाओं को समझाना

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र के माध्यम से किशोरियों की निगरानी समिति के कार्य को दिखाया गया है।

प्रश्नः किशोरी निगरानी समिति के द्वारा निगरानी के दौरान क्या-क्या किया जायेगा?

उत्तरः

- ☐ खुले में शौच करने वाली महिलाओं/युवतियों को खुले में शौच करने से रोकना ।
- ☐ लोगों को प्रेरित करना कि खुले में मल त्याग के पश्चात मिट्टी से ढंक दें ।
- ☐ सुबह एवं शाम के वक्त निगरानी का काम करना।
- ☐ खुले में मल करने वाले लोगों में शर्म का अहसास कराना।

मल को मिट्टी से ढंक रहा बच्चा

प्रश्नः इस चित्र में क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र के माध्यम से दर्शाया गया है कि खुले में शौच के पश्चात् मल को मिट्टी से ढंक देना चाहिए।

प्रश्नः खुले में शौच के पश्चात् मल को मिटटी से क्यों ढंक देना चाहिए?

उतरः मल में असंख्य प्रकार के अतिसूक्ष्म विषाणु होते हैं, जो कि हवा के द्वारा, मक्खियों के द्वारा, जानवरों के द्वारा एक जगह से दूसरे स्वस्थ वातावरण में जाकर हानि पहुंचा सकते हैं।

- ☐ खुले में मल से वातावरण दूषित होता है एवं नंगी आंखों से देखे जाने पर घृणा उत्पन्न करता है।
- ☐ इससे बीमारी का खतरा मिट तो नहीं सकता, पर टल जाएगा।
- ☐ ठोस विकल्प शौचालय निर्माण ही है।

सारांशः जब तक शौचालय नही बनता, बूढ़े, बच्चे एवं जवान मल त्याग कर मिटटी/राख से ढंक दें (जैसे बिल्ली करती है)। इससे बीमारी की संभावना कम हो सकती है।

शौचालय में शौच करता बच्चा

प्रश्नः इस चित्र में क्या दर्शाया गया है?

उत्तरः इस चित्र में एक बच्चे को शौचालय में शौच करते हुए दिखाया गया है।

प्रश्नः क्या बच्चों को भी शौचालय में ही शौच करना चाहिए?

उत्तरः हां, यह एक स्वच्छ आदत है। बच्चों के शौच में भी बड़ों की तरह ही अत्यंत सूक्ष्म, परन्तु खतरनाक विषाणु होते हैं, जो स्वस्थ वातावरण को भी अस्वस्थ बना सकते हैं।

- ☐ बचपन से ही बच्चों में अच्छी आदत डाली जा सकती है।
- ☐ बच्चे में व्यवहार परिवर्तन आएगा।
- ☐ स्वच्छ बच्चा स्वस्थ होगा।
- ☐ घर में स्वच्छता का वातावरण होगा।
- ☐ बच्चा शारीरिक, मानसिक रूप से मजबूत होगा।

बच्चों का मल शौचालय में बहाना

प्रश्नः इस चित्र में क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र में एक महिला के द्वारा अपने बच्चे के मल को शौचालय में साफ करते हुए दिखाया गया है।

प्रश्नः क्या छोटे बच्चे के मल को भी शौचालय में साफ करना चाहिए?

उतरः हां, छोटे बच्चे के मल में भी अतिसूक्ष्म हानिकारक कीटाणु होते हैं, जो कि आस-पास के स्वच्छ परिवेश को अस्वस्थ बना सकते हैं।

- ☐ बच्चे के मल को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।
- ☐ बच्चे के मल का शौचालय में ही निपटान करें।
- ☐ इससे बच्चे को डायरिया, कुपोषण, पेट की बीमारी नहीं होगी और मक्खी, मच्छर और गंदगी से घर सुरक्षित रहेगा।

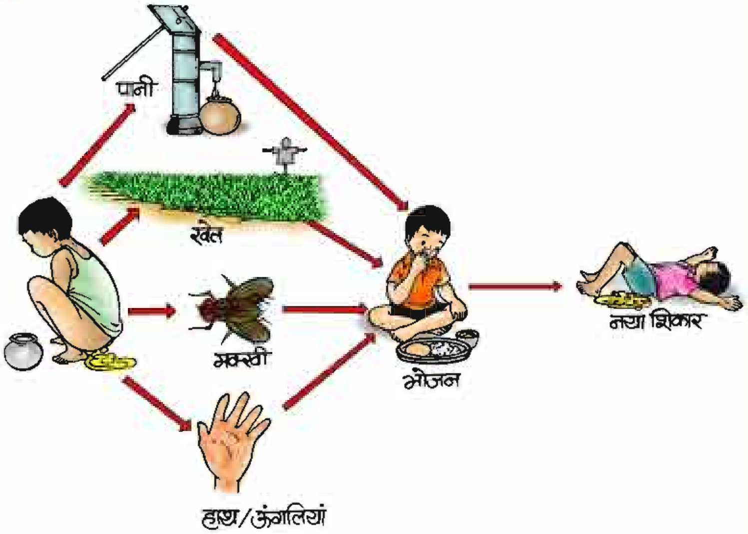

संक्रमण चक्र

प्रश्नः इस चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः इस चित्र के माध्यम से एक बच्चे को खुले में शौच करते हुए दिखाया गया है। मुख्य रूप से चार रास्तों से मल दूसरे लोगों के शरीर में प्रवेश करती है।

- ☐ जल
- ☐ खाने की चीजें
- ☐ मक्खियां
- ☐ हाथ की अंगुलियों के माध्यम से

प्रश्नः इसके क्या दुष्परिणाम होते हैं?

उतरः लगभग अस्सी प्रतिशत बीमारियां जलजनित होती हैं। प्रतिवर्ष लाखों बच्चों की मौत इस कारण होती है। एक व्यक्ति के मल से दूसरे को सक्रंमण का खतरा होता है।

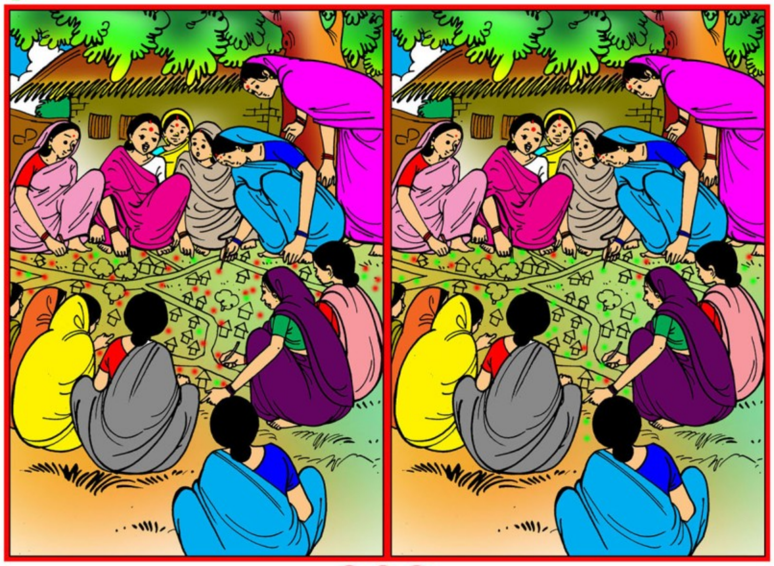

मल मानचित्रण का प्रदर्शन

प्रश्नः चित्र के माध्यम से क्या दर्शाया गया है?

उतरः चित्र के माध्यम से गांव के लोगों द्वारा स्वच्छता की स्थिति का सामुदायकि मानचित्रण किया जा रहा है, जिससे गांव के नक्शे एवं गांव में उपलब्ध समस्त संसाधनों यथा, गांव की बनावट, गांव की मुख्य सड़कें, स्कूल, अस्पताल, आंगनवाड़ी केंद्र, मंदिर, मस्जिद, पेयजल के स्रोतों आदि को विभिन्न रंगों से दिखाया गया है।

प्रश्नः स्वच्छता की स्थिति का सामुदायिक चित्रण के क्या फायदे हैं?

उतरः गांव के बीच के खुले मैदान या बड़े कागज पर समुदाय के सदस्यों द्वारा गांव का नक्शा बनाया जाता है।

- इसके द्वारा लोग आसानी से जान जाते हैं कि गांव के लोग शौच के लिये कहां-कहां जाते हैं एवं किस प्रकार पूरा गांव मल से आच्छादित है।
- समुदाय के सदस्यों को खुले में शौच की भयावह स्थिति समझने में मदद मिलती है।